॥ जय महेश ॥

ढाट माहेश्वरी संदेश

पत्रिका अंक - 10 • जुलाई 2020

प्रकाशक : ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ ढाट माहेश्वरी समाज | Reg. No.: F1306/ABD

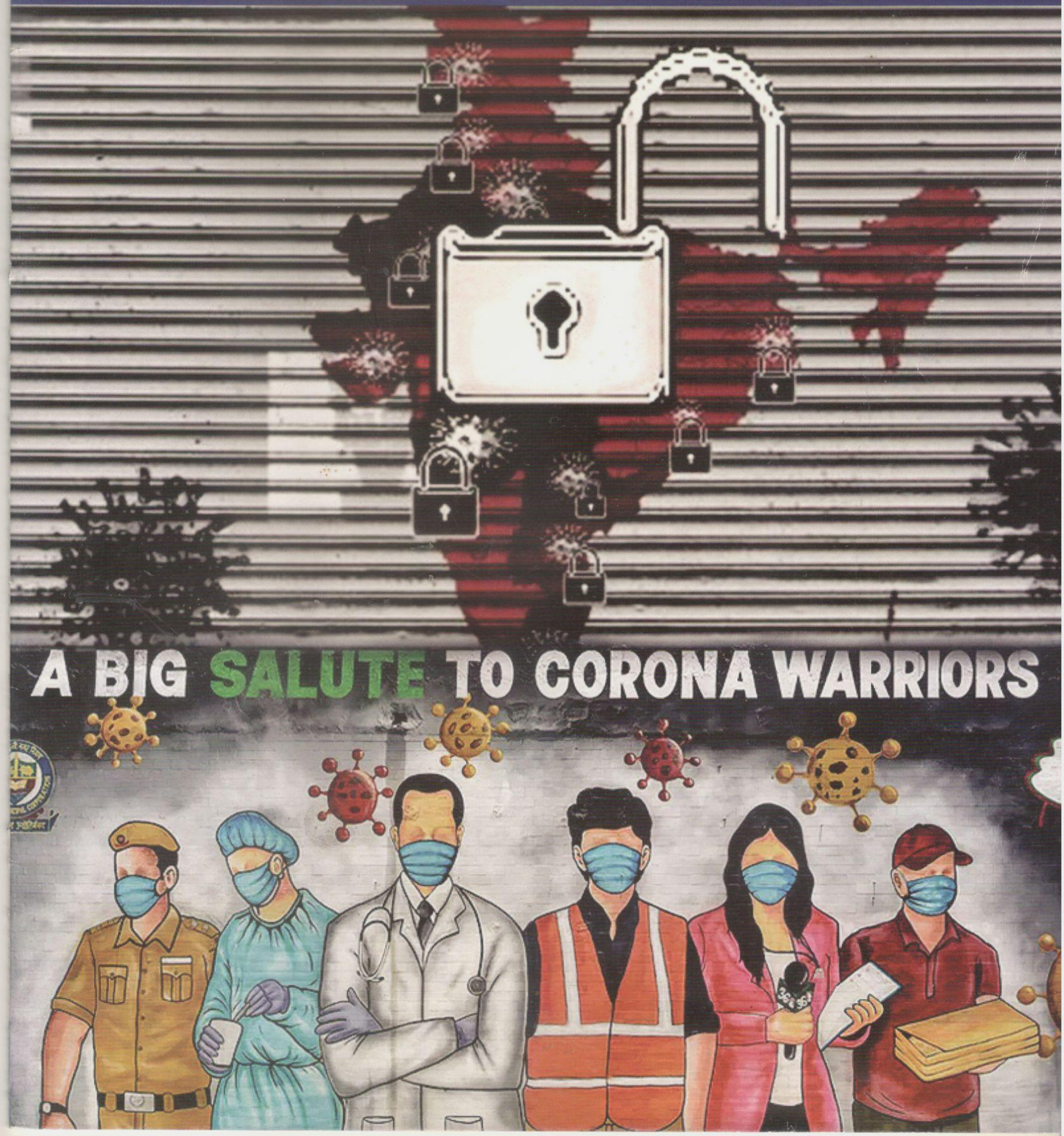

EDITOR PAGE

Abhaybhai I. Chandira
Chief Editor
+91 70698 76733

जीवन में परिवर्तन निरंतर प्रक्रिया है। यह परिवर्तन कई तरीके के हो सकते है। ये सामाजिक, आर्थिक, शारीरिक या अन्य कोई तरीके के हो सकते है। जीवन में आया हुआ परिवर्तन का पता चलना कभी उसी क्षण पता चलता है या कभी बहुत देर से पता चलता है। परिवर्तन आने की गति कम-ज्यादा हो सकती है। अत: सतह पर आए बिना रहती नहीं है।

व्यक्ति में परिवर्तन आता है उसी तरह समाज में भी परिवर्तन आता है। समाज का अर्थ है व्यक्तिओं का समूह। जो एक भाषा, धर्म, व्यवसाय या पुरखों से चली आ रही सामाजिक व्यवस्था के तहत नक्की किया गया एक दायरा, जो एक समूह को जोड़ के रखता है वो समाज है।

आज हमारे समाज की बात करे तों पिछले पचास सालो में समाज में बहुत परिवर्तन आया है। सामाजिक परिवर्तन एक अति जरुरी चीज है। रिवाज के हिसाब से देखे तो पुराने रिवाज में वर्तमान परिस्थिति के हिसाब से कुछ नयापन होना वर्तमान समय को अनुकूल होने के लिए वो परिवर्तन जरूरी होता है। जैसे के पानी एक जगह रुकता है तो उसमें मलिनता होती है। निरंतर बहता पानी शुद्ध होता है। उसी तरह ही समाज में रीत-रिवाजों का परिवर्तन या जीवनशैली का परिवर्तन होना अपने आपको शुद्ध रखने तथा वर्तमान के साथ कदम मिलाने की चेष्ठा मानी जाती है। समाज का ढाँचा वही रहता है। लेकिन नए बदलाव ईच्छनीय रिवाजो से तथा नई सामाजिक प्रवृत्तिओं से समाज तंदुरस्त दिखता है।

पिछले पचास सालो में ढाटी माहेश्वरी समाज की जीवनशैली तथा रीत-रिवाजो में आमूल परिवर्तन आया है। समाज में आए हुए परिवर्तन को हम दो भागो में विभाजित कर सकते हैं।

(१) बाह्य सामाजिक परिवर्तन

(२) भावनात्मक सामाजिक परिवर्तन

पहले हम बाह्य परिवर्तन की बात करे तो हमारे पहनावे में स्त्री या पुरुष दोनो में परिवर्तन आया है। दूसरा घूंघट प्रथा कम होती जा रही है। लड़कियाँ भी व्हीकल चलाती है। हम लोग एक थाली में खाना खाते थे वो धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। यह परिवर्तन कही ज्यादा और कही कम दिख रहा है। परिवर्तन सही है या गलत उस विषय पर चर्चा नहीं है। लेकिन हमारे जीवनशैली पर जरूर असर करता है।

अब भावनात्मक परिवर्तन की बात करे तो जैसे सगाई लड़का, लड़की की रजामंदी से होना, विधवा विवाह समाज में स्वीकार्य होना। लड़कियों का जोब करना, लड़का-लड़की के पालन पोषण में कोई भेदभाव नहीं है। ऐसी कई भावनात्मक बाते है जो पुराने रीत-रिवाजो में परिवर्तित होकर वर्तमान समय के साथ चलने के लिए समाज के रिवाज नए रुप में परिवर्तित हो जाते है। आजके जमाने में सास बहू को भी बेटी के जैसे रखने लगी है। हमारा समाज प्रगतिशील समाज है। समय के हिसाब से अपने आपको ढाल देता है।

यह अंक तैयार करने में ताराचंद जी केला और मीनु जी माहेश्वरी का बेहद योगदान रहा हे। उनका में खूब खूब धन्यवाद करता हूँ।

Meenu G. Maheshwari
(Kacholia)
Core Team Member
+91 94288 44700

Vikas A. Chandak
Core Team Member
+91 94260 40078

Suresh K. Rathi
Core Team Member
+91 98250 72092

Navin P. Kadwa
Core Team Member
+91 94085 70182

Harish A. Bhutda
Core Team Member
+91 98251 66971

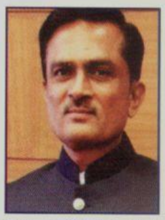

Sureshbhai M. Rathi (Tikmani)
AIFDMS Member
+91 98258 96441

Tuljaram P. Dewani
Patrika Dispatch Responsibility
+91 99243 18049

Patrika Email : **aifdmspatrika@gmail.com**

प्रमुख संदेश

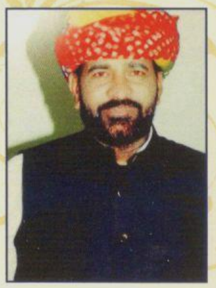

जय महेश,

प्रिय माहेश्वरी बंधुओ, बहनों और माताओं,

आपको बताते हुए अति हर्ष होता है और कुछ बातो का दु:ख है । हर्ष इस बात का है कि सात-आठ माह में AIFDMS ने समाज के लिए आवश्यक कार्य किए है, जैसे कि 1). विद्यार्थी के लिए दो नये फ्लेट पुराने समाज के भवन के ऊपर लिए और दाताओं की एक मीटींग बुलाकर करीबन एक करोड़ राशि भी भामाशाहो की ओर से मिली । 2). समाज के करीबन 200 परिवारो के Mediclaim की पॉलिसी दिलाने का निर्णय लिया, करीबन 200 परिवारो की अनुमति भी मिली है उस कार्य की शुरुआत भी हो चुकी है ओर उसमें हर एक परिवार को Maximum 5000 तक की राशी का प्रिमियम AIFDMS की तरफ से दिया जायेगा । 3). पांच साल से रुके हुए Mobile Application की स्कीम श्री आई.पी. माहेश्वरी तथा श्री पियुषकुमार भट्टर तथा उनकी टीम द्वारा असंभव कार्य को कुछ ही समय मे संभव किया तथा 5000 परिवारो के 26000 सदस्य को जोड़ने का काम लगभग एक माह मे पूर्ण किया । 4). सोशियल सिक्योरिटी के चेयरमेन श्री दिलीपजी मोहता तथा AIFDMS टीम ने अपनी सुझ-बुझ द्वारा इस लोकडाउन के समय में माहेश्वरी समाज के सदस्यो से एक माह में भुगतान जमा करवाकर नया रिकॉर्ड बनाया, मैं तहे दिल से दिलीपजी एवं उनकी टीम का आभारी हूँ । यह सभी कार्य आप सभी समाज गण के सहयोग से हुए है तो इस संदेश के माध्यम से एक बार फिर आप सभी माहेश्वरी समाज गण का धन्यवाद तथा आभार व्यक्त करता हूँ ।

और दु:ख इस बात का है कि कोरोना Covid-19 की महामारी की वजह से हम 4-5 माह से मिल नहीं सके और इस बिमारी से कई माहेश्वरी बंधुओ की मृत्यु भी हुई है, उसका पुरे समाज को दु:ख है । इस महामारी मे लोकडाउन की वजह से पत्रिका को सही समय पर आप तक नहीं पहुँचा पाये इसका हमे खेद है ।

मै इस पत्रिका द्वारा पुरे माहेश्वरी समाज को यह संदेश देना चाहता हूँ कि यह महामारी कितने समय तक रहेगी हम मे से किसीको नही पता, तो आप सभी से निवेदन है कि आप सभी घर मे रहे और स्वस्थ रहे ।

आप से निवेदन है कि इस संस्था को मजबुत बनाने के लिए आप के सहयोग की आवश्यकता है और आशा करते है की आप तन-मन-धन से इस संस्था को सहयोग करेंगे ।

पत्रिका का जटिल कार्य इस लोक डाउन के समय में अति श्रम के साथ पूर्ण किया गया यह एक सराहनीय कार्य है, मैं खास धन्यवाद करता हूँ, अभयजी तथा मीनू जी का । साथ ही पत्रिका के अन्य सदस्य विकासजी, सुरेशजी, नवीनजी, हरीशजी तथा AIFDMS के सदस्य सुरेशजी (टिकमानी) एवं पत्रिका डिस्पैच करने का कार्य सभाल रहे श्री तुलजारामजी का धन्यवाद करता हूँ । किसी भी कार्य को सफल करने में टीम का सहयोग जरुरी है । धन्यवाद

पंछी पानी से घटे नही सरीता नीर ।
दान कीए धन न घटे, सहाय करे रघूवीर ।।

आभार
ताराचन्दजी केला
President of AIFDMS

टेस्टीमोन्यिल

ओमप्रकाश जी बिरला

माहेश्वरी समाज के गौरव लोकसभा अध्यक्ष श्रीमान ओमजी बिरलाजी के आबुरोड आगमन पर ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ ढाट माहेश्वरी समाज की ओर से मंत्री श्री जयप्रकाशजी माहेश्वरी द्वारा सम्मान किया गया और ढाट माहेश्वरी संदेश पत्रिका प्रदान की गई बहुत गर्व की बात है ।

जयपुर समाज के अग्रणीय श्री लेखराजजी द्वारा लोकसभा अध्यक्ष श्री बिरलाजी को ढाट माहेश्वरी संदेश पत्रिका प्रदान की गई ।

ये टीम पत्रिका, AIFDMS तथा हमारे समाज के लिए बड़े गर्व की बात है ।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

स्व. अर्जुनजी सजनानी - स्व.ता.: 08-07-2020
Vice President of AIFDMS

नोट :- कोरोना जैसी महामारी के चलते हम पत्रिका का यह अंक देर से प्रकाशित कर रहे है, तथा एडीटीग का कार्य हमने वर्तमान परिस्थिति के अनुसार ऑनलाईन द्वारा पूरा किया है । तो शायद भुल चुक रह गई हो या कुछ बाते जो इस अंक में प्रकाशित होने से रह गई है । उसके लिए हम तहे दिल से क्षमायाचना चाहते है और इस विश्वास के साथ कि अगले अंक में उसे प्रकाशित करने का प्रयास करेंगे ।

- आप सभी से अनुरोध है कि पत्रिका में प्रकाशित करने के लिए किसी भी सुचना, आर्टिकल या जानकारी समय पर दे ताकि पत्रिका सही समय पर प्रकाशित हों सकें ।

- पत्रिका में लिए गये photos का result आपके द्वारा भेजे गये photos की quality पर निर्भर करता है । आप सभी से निवेदन है कि आगे के अंक के लिए High Resolution Photos Email करे ।

धन्यवाद, टीम पत्रिका

AIFDMS - DHAT MAHESHWARI BHAWAN
1-2, Smruti Appartment, Opp. Polytechnic College, Nr. Panjara Pol Char Rasta, Ambawadi, Ahmedabad - 380006
Bhawan Telephone : 079 26303020 | Contact Person : Tuljaram Dewani : +91 99243 18049
(Bhawan Care Taker)

AIFDMS BHAWAN DONOR LIST - 2020

SR. NO.	Donor's Name	Amount	City Name
1	Dipakji Gokaldasji Batthar	11 Lac	Ahmedabad & Navsari
2	Tarachandji Govindramji Kella	5 Lac	Surendranagar
3	Premlataben Doongromalji Mohta	5 Lac	Ahmedabad
4	Matharadasji Pragchandji Ladhar	5 Lac	Jaipur
5	Maheshkumar Doongromalji Chandak	5 Lac	Mumbai
6	Chamanlalji Asandasji Harkut	5 Lac	Surendranagar
7	Doongromalji Lilaramji Bhutda	5 Lac	Kadi/Gadhro/Uganda
8	Rameshji Gokaldasji Batthar	5 Lac	Chhapi
9	Chhtrabhujji Ranomalji Rathi	5 Lac	Jodhpur
10	Pitambardasji Bhomrajji Rathi	5 Lac	Ahmedabad
11	Kirankumarji Mahadevji Rathi	5 Lac	Surendranagar
12	Chhtrabhujji Gordhandasji Rathi - Memorial Trust	5 Lac	Jaipur
13	Mehulkumar Gautamdasji Kacholia	2.5 Lac	Morbi
14	Bherulalji Maneklalji Lalwani	2.5 Lac	Kapadwanj
15	Bhawanisankar Roopchandji Maheshwari (Kacholia)	2.5 Lac	Palanpur
16	Chamanlalji Vedvyasji Matharani	2.5 Lac	Vadodara
17	Dr. Hasmukhbhai Vindomal Kella (Karmani)	2.5 Lac	Gandhidham
18	Harishji Ladhad	2.5 Lac	Gandhidham
19	Ajitbhai Ramwani	2.5 Lac	Gandhidham
20	Late Shree Arjunlalji Rathi (Sajanani)	2.5 Lac	Deesa
21	Dineshji Bekhatmalji Ladhad	2.5 Lac	Kadi
22	I P Maheshwari	2.5 Lac	Ahmedabad
23	Lajpatrai Hariramji Mohta	2.5 Lac	Kapadwanj
24	Doongromalji Harlalji Karwa	2.5 Lac	Sanchor
25	Isanpur Maheshwari Samaj	2.5 Lac	Isanpur
26	Jugalji Dharumalji Kella (Khatiyani)	2.5 Lac	Vadodara
27	Shyamlalji Amolakhdasji Lalwani	2.5 Lac	Palanpur
28	Vasudevji Parmanandji Motiani	2.5 Lac	Bharuch
29	Ashokkumar Maneklalji Rathi	2.5 Lac	Ahmedabad
30	Sunilkumar Gigal	2.5 Lac	Baroda
31	Madanlalji Sanjhira	2.5 Lac	Anand

दाताओ की सूचि हमें AIFDMS से प्राप्त हुई है। खूब खूब धन्यवाद

AIFDMS MANAGEMENT COMMITTEE (2019-2021)

Tarachand G. Kella
(Surendranagar)
President
9825223940

Dilipbhai D. Mohta
(Ahmedabad)
Vice President
9825178808

Jaiprakash B. Kachoriya
(Palanpur)
Secretary
9879266999

Lekhrajji M. Ladhad
(Jaipur)
All Rajasthan Convener
9785032723

Bherulal M. Lalwani
(Kapadwanj)
Treasurer
9879000151

Dineshkumar B. Maheshwari
(Kadi)
Joint Secretary
9879333432

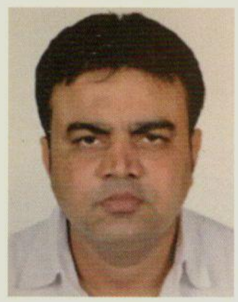

Dipak C. Mathrani
(Baroda)
Joint Secretary
9824041835

Hotchand M. Kella
(Modasa)
9426535481

Tuljaram P. Dewani
(Western A'bad)
9924318049

Rajeshkumar N. Kella
(Dhanera)
9426312515

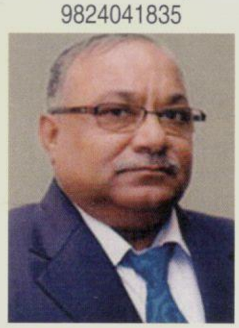

Murlidharji B. Jagani
(Gandhidham)
9825266669

Upendrabhai G. Kella
(Patan)
9824411707

Bharatkumar A. Rathi
(Bajwa)
9904704435

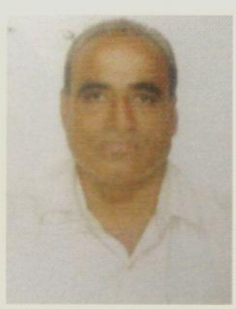

Madanlal C. Lohiya
(Nadiad)
9427312374

Murlidharji K. Akhani
(Isanpur)
9824393359

AIFDMS MANAGEMENT COMMITTEE (2019-2021)

Dharmeshbhai Maheshwari
(Western Ahmedabad)

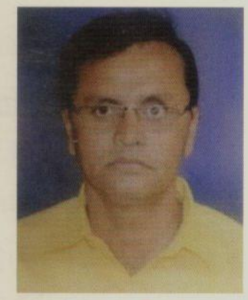

Tansukhbhai G. Panpaliya
(Surat)

Pravinkumar G. Kakani
(Thara)

Dilipkumar Y. Chandira
(Borsad)

Dr. Hasmukhbhai V. Kella
(Gandhidham)

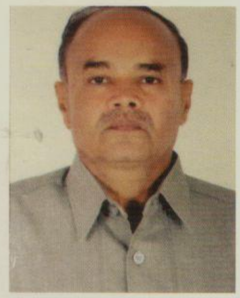

Manilal V. Lalvani
(Palanpur)

Sureshkumar M. Sharda
(Talod)

Nitesh Maheshwari
(Anand)

Jhamandas C. Mulani
(Bhildi)

Bhupendrabhai K. Rathi
(Palanpur)

Apleshkumar D. Maheshwari
(Chhapi)

Dilipkumar R. Jivani
(Mansa)

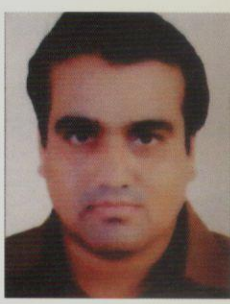

Hareshkumar P. Rathi
(Maninagar)

Manishkumar T. Maheshwari
(Dhanera)

Gautamdas G. Maheshwari
(Kadi)

Vijay Kumar F. Sanjhira
(Baroda)

AIFDMS MANAGEMENT COMMITTEE (2019-2021)

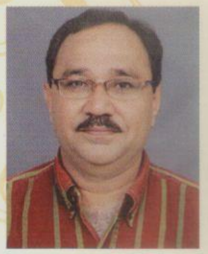
P. C. Rathi
(Western Ahmedabad)

Jayramdas J. Bachani
(Isanpur)

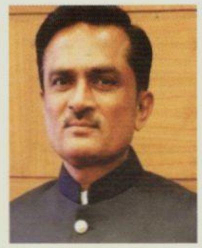
Sureshkumar M. Rathi
(Tikmani)
(Ahmedabad)

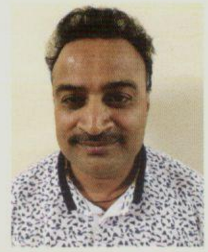
Harishkumar S. Dharvai
(Shahibaug)

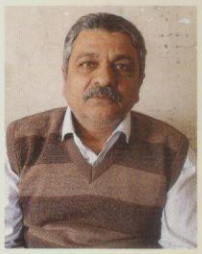
Bhavani Shankar K. Harani
(Tarapur)

Kapil K. Sharda
(Palanpur)

Jignesh M. Bhutada
(NC Naroda)

Devdat Damomal Shah
(Modasa)

Rajeshkumar P. Maheshwari
(Sanand)

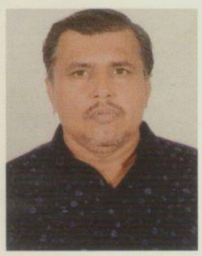
Girishkumar G. Harkut
(Bodeli)

Ashokkumar J. Shah
(Surat)

Naranbhai S. Rathi
(Anand)

Rameshkumar R. Shah
(Bajwa)

Jugal I. Shah
(Borsad)

Savaikumar K. Maheshwari
(Vijapur)

Jugalkishor Gigal
(Tharad)

Rajnibhai C. Kanwani
(Sabarmati)

Mehulbhai Kachoriya
(Morbi)

Pitambardas M. Maheshwari
(Khambhat)

तलोद ढाट माहेश्वरी समाज स्नेह मिलन समारोह

कड़ी माहेश्वरी समाज द्वारा नवरात्री का उत्सव मनाया गया ।

पालनपुर माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर कृष्ण की झांख्री का आयोजन करके उत्सव मनाया गया ।

सवाईमाधोपुर माहेश्वरी समाज द्वारा नवरात्री का उत्सव मनाया गया ।

रानीवाड़ा माहेश्वरी समाज में नवरात्रि महोत्सव मनाते हुए समाज के बच्चे वह महिलाएँ ।

सुरेन्द्रनगर माहेश्वरी समाज द्वारा नवरात्री का उत्सव मनाया गया।

थराद माहेश्वरी समाज द्वारा नवरात्री का उत्सव मनाया गया।

डीसा माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा नवरात्रि में आनंद का गरबा आयोजीत किया गया।

डीसा माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा अमावस को भजन कीर्तन का आयोजन किया गया।

तलोद ढाट माहेश्वरी समाज नवरात्रि महोत्सव - 2019

करवाचौथ सामुहिक पूजन

डीसा माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा
बड़ी तीज मनाई गयी ।

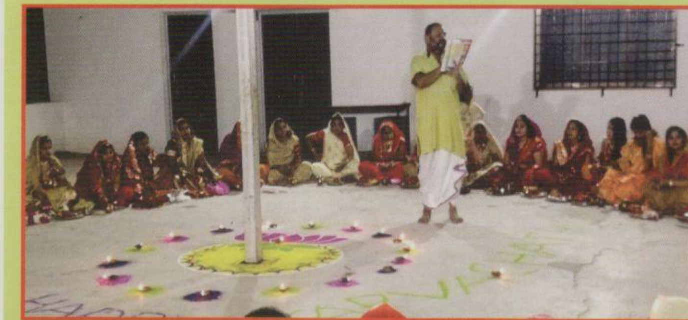

डीसा माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा सामुहिक करवाचौथ
त्यौहार मनाया गया ।

चौहटन माहेश्वरी महिला मंडल का
सामुहिक करवाचौथ पूजन

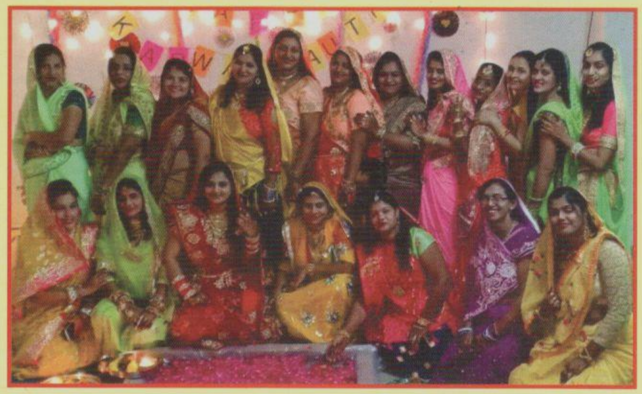

सुरेंन्द्रनगर माहेश्वरी महिला मंडल का
सामुहिक करवाचौथ पूजन

तलोद माहेश्वरी महिला मंडल करवाचौथ सामुहिक पूजन

CA Rohail Kumar जगानी पुत्र श्री डॉ. कैलाश जगानी को Gift सीटी गांधीनगर गुजरात में नेशनल स्टॉक एक्सचैंज (इंटरनेशनल स्टॉक एक्सचैंज) के साथ डिप्टी मैनेजर के रुप में नियुक्त किया गया है ।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा आयोजित युवा शिक्षा रत्न सन्मान-2019 में गुजरात के पाटण से भूमि भद्रेशभाई बचानी को सन्मानित करते हुए ।

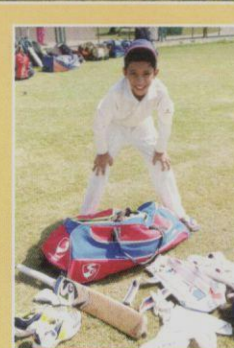

मंथन धीरेनकुमार माहेश्वरी (उम्र 13 साल) पालनपुर क्रिकेट में बनासकांठा जिल्ला एवं माहेश्वरी समाज का गौरव गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन (GCA) द्वारा आयोजित अंडर-14 टीम फॉर रेस्ट ऑफ गुजरात में मंथन धीरेन कुमार माहेश्वरी का चयन होते बनासकांठा जिल्ला एवं माहेश्वरी समाजने गर्व महसूस किया । ऑक्टोबर 2019 में बनासकांठा जिल्ला अंडर 14 टीम में केप्टन के लिए चयन हुए । जिसमें टीम बनासकांठा ने पंचमहाल, दमण एवं वलसाड़ के सामने मैच खेला । इन सभी मैच में मंथन माहेश्वरी की कप्तानी में टीम बनासकांठा ने हर एक मैच में जीत हाँसिल की । इससे पहले भी GCA द्वारा 11 से 13 साल के बाल क्रिकेटर के सिलेकशन में पूरे गुजरात में से 750 में केवल 35 बच्चे सिलेक्ट किये गए थे । जिसमें मंथन माहेश्वरी का भी सिलेक्शन हुआ था ।

ध्वनी उमेश रामवानी (आयु 11 वर्ष) सिडनी, ऑस्ट्रेलिया । उन्होंने 2019 ऑल ऑस्ट्रेलियन कराटे चैंपियनशिप और सिडनी जूनियर गेम्स में 3 ट्रॉफीस जीती है । वह जापान में अंतर्राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप के लिए चुनी गई है । ये हमारे समाज के लिए गर्व की बात है ...। (पालनपुर)

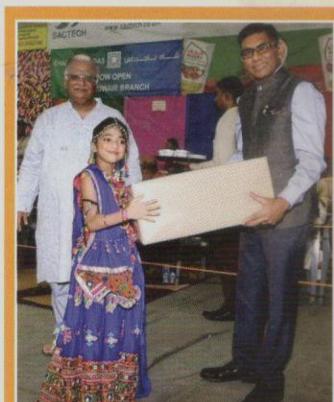

आरची संजय कुमार (6 वर्ष) "मस्कट (ओमान)" फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में अर्धनारीश्वर प्रदर्शन के लिए दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया है । वह "भारत के राजदूत" महामहिम "मनु महावर" के हाथो पुरस्कार प्राप्त किया... हमारे लिए गर्वित क्षण है

सावित्री एल. रामवानी पालनपुर ने सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) के गरबा में सबसे ऊर्जावान वरिष्ठ के लिए पहला पुरस्कार जीता और 700 से 800 प्रतियोगियों के बीच जिगरदान गढ़वी के हाथों से सर्टिफिकेट प्राप्त किया ।

National Shotokan Karate Champ - Palanpur
काव्या जिगर लालवाणी - 2 गोल्ड,
रुद्र अजय लालवाणी - 1 गोल्ड और 1 सिल्वर मेडल - खूब खूब अभिनंदन

अचिवमेन्टस - इंडियन स्टुडन्ट

आस्था माहेश्वरी - Jodhpur
फाइनल ईयर स्टूडेन्ट ऑफ साइकोलॉजी एंड लिबरल स्टडीज फॉम पी.डी.पी.यु. गांधीनगर हाल हि में आपका रीसर्च "जनरल रोले स्ट्रेस एंड वर्क लाइफ बैलेंस इन यूनिवर्सिटी" प्रोफेस्सोर्स कम्पेरेटिव स्टडी "जून २०१९ में **Vol.6**" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यू में भी प्रकाशित हुआ ।

रानीवाड़ा : माहेश्वरी समाज रानीवाड़ा की बेटी जागृति कुमारी डॉटर सुरेश कुमार चांडक को राजस्थान सरकार द्वारा पद्माक्षी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है और इसी के साथ इस साल राजस्थान नीट मेरिट में एम.बी.बी.एस. गोवर्मेन्ट कॉलेज में सिलेक्शन हुआ है ।

राधिका दिलीपभाई माहेश्वरी डीसा ने गुजरात टेक्नोलोजिकल यूनिवर्सिटी आर्किटेक्चर में द्वितीय क्रमांक से उत्तीर्ण किया व इस साल स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर से प्रथम क्रमांक से उत्तीर्ण किया ।

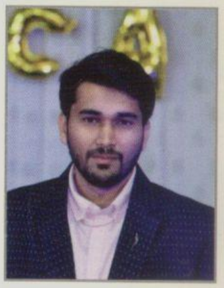

अक्षय सुरेशभाई केला - सुरेन्द्रनगर
सी.पी.ए. (ऑस्ट्रेलिया) सी.ए.

बजरंगकुमार माहेश्वरी
आणंद -
ईन्टरनेशनल मॉन्टेसौरी टीचर्स ट्रेनींग परीक्षा - पुरे गुजरात में प्रथम क्रमांक

कल्पेशकुमार मदनलाल चांडक
आणंद - वीडियो प्रोसेसिंग के क्षेत्र में 11-01-2020 पर पीएचडी की डिग्री प्राप्त हुई ।

मोहित हरीशभाई जगानी
- अहमदाबाद
चार्टर्ड इंजीनियर (भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त) बन गए है ।

डॉ. कीनारा निलेशकुमार माहेश्वरी (राठी)
हैदराबाद / सुरत
फार्मसी से पीएच.डी.

दीपिका ओम प्रकाश माहेश्वरी (सांचोर)
गर्वमेन्ट सर्विस ईन मिनीस्ट्री ऑफ एक्स्टर्नल अफेर्स एझ ए आसीस्टन्ट सेक्शन

सौमिल जुगल किशोर चंदिरा
एम.बी.ए. फॉम **NMIMS** मुंबई वर्किंग इन-गूगल एट हैदराबाद हालहि में आपको सेल्स एक्सीलेंस के लिए इंटरनेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया ।

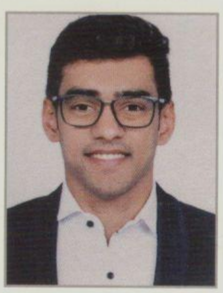

पुष्पल प्रभुभाई माहेश्वरी (चंदिरा) - सूरत
को जीमेट स्कोर (७६०/८०००) के आधार पर आईएसबी मोहाली (विश्व स्तर पर ७वें स्थान पर और भारत का पहला रैंक बी स्कूल) में प्रवेश मिला) ।

रिद्धी ताराचंदजी राठी (कपड़वंज)
के सफलतापूर्वक एमबीबीएस पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई

मेडीकल स्टुडन्ट

डॉ. विपुल दुर्गाशंकर गोपालदास माहेश्वरी (सांचोर)
का इस साल पीजी में गवर्नमेन्ट कॉलेज में सिलेक्शन हुआ है ।

डॉ. अमृत ओमप्रकाश गोपालदास माहेश्वरी (सांचोर)
एम.एस.(सर्जन), सीवील हॉस्पिटल, अहमदाबाद

विमल तुलजाराम देवानी
NEET PG 2020 में 722 अंक हाँसिल किए है ।

डॉ. मयंक मुकेशभाई चांडक
NHL मेडिकल कॉलेज (V.S.)अहमदाबाद में एमएस गायनेकोलॉजी में प्रवेश मिला है ।

डॉ. अश्विनी अशोक लोहिया
MS - OBG - Obstetrics & गायनेकोलॉजी भावनगर सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश मिला है।

डॉ. विकास के. माहेश्वरी
M.S. Orthopedic Surgeon
AIIMS, Rishikesh

अचिवमेन्टस - फोरेन स्टुडन्ट

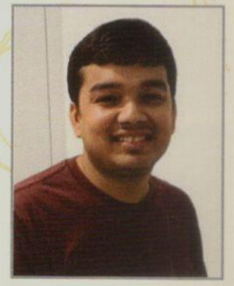

Akshay Abhaymanyu Chandira
Ahmedabad
New York, USA

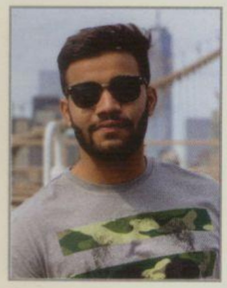

Parth Maheshbhai Kella
Surendranagar
Chicago, USA

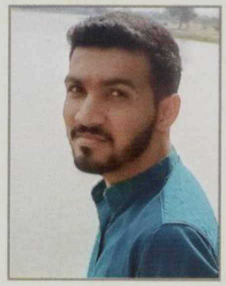

Siddhrath Maheshbhai Rathi
Ahmedabad
Ontario, Canada

Nikita Premkumar Rathi
Ahmedabad
Sydney, Australia

Dhairya Narendrabhai Maheshwari
Ahmedabad
Toronto, Canada

Dr. Fagun Harishbhai Shah
Ahmedabad
Toronto, Canada

Karishma Kailashbhai Sharda
Ahmedabad
Kitchner, Canada

Saurav Premkumar Rathi
Borsad
Smolensk, Russia

Juhi Jugnuprasad Chandira
Palanpur
Connecticut, USA

Shubham Ashokbhai Maheshwari
Tarapur
Toronto, Canada

Meet Chamanlal Chaudhary
Ahmedabad
Ontario, Canada

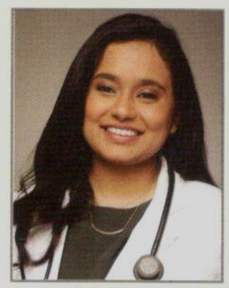

Marvi Vikrambhai Maheshwari
Ahmedabad
Philippines

Prachi Arjunbhai Rathi
Barmer
Smolensk, Russia

Mehul Sureshbhai Kella
Surendranagar
New Zealand

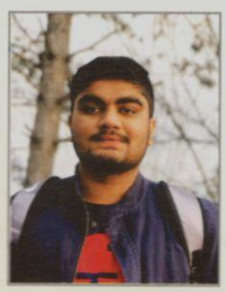

Dhruv Lalitbhai Maheshwari
Ahmedabad
Toronto, Canada

Ronak Maheshbhai Vastani
Ahmedabad
Sydney, Australia

अचिवमेन्टस - फोरेन स्टुडन्ट

Krunal Ashokbhai Maheshwari
Palanpur
Texas, USA

Himali Sureshbhai Rathi (Bandura)
Ahmedabad
Canada

Riya Ashokbhai Sharda
Tarapur
Smolensk, Russia

Chandani Mukeshbhai Kella
Palanpur
Florida, USA

Gaganraj Rajeshbhai Ladhar
New York, USA

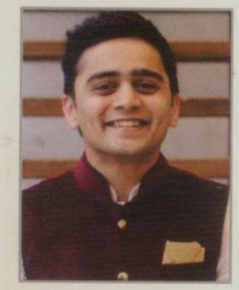

Vikas Bhawanishankar S. Lohiya
Ahmedabad
Ontario, Canada

Avinash Bhawanishankar M. Lohiya
Ahmedabad
Arizona, USA

Aavish R. Chandak
Anand
Ontario, Canada

Akash Shankarlal Sharda
Barmer
Wuhan, China

Kartik Mukeshbhai Mansukhani
Ahmedabad
Indiana, USA

Tilakraj Kishorbhai Maheshwari
Jaipur
London, UK

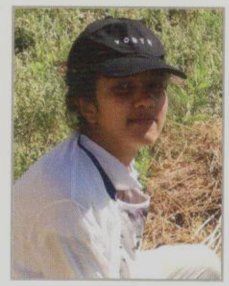

Mona Baldevbhai Maheshwari
Jaipur
London, UK

Priya Maheshbhai Rathi
Ahmedabad
Smolensk, Russia

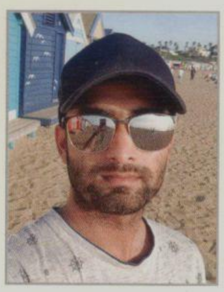

Hardik Rajeshbhai Mohta
Maninagar,
Melboarn, Australia

Prashant Rajubhai Ladhar
Jaipur
London, UK

Akash Riteshbhai Maheshwari
Nadiad
Ontario, Canada

अचिवमेन्टस - फोरेन स्टुडन्ट

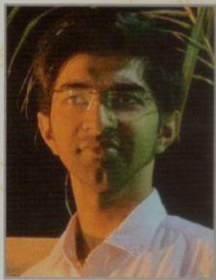

Chintan Nareshbhai Malpani
Ahmedabad
Auckland, New Zealand

Priyansh Nareshbhai Malpani
Ahmedabad
Smolensk, Russia

Sanjay Jawaharbhai Kella
Ahmedabad
Detroit, USA

Megha Anilkumar Maheshwari
Ahmedabad
Ontario, Canada

Roshni Maheshbhai Maheshwari
Ahmedabad
Ontario, Canada

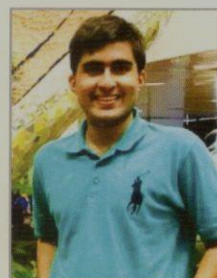

Rahul Anilkumar Laddhad
Ahmedabad
Phillipines

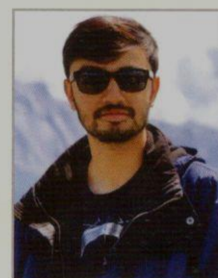

Jigar Maheshbhai Sharda
Maninagar
California

कभी तो ख्वाब ऐसा आए

कभी तो ख्वाब ऐसा आए जिसमें
भारत माता का हसता चहेरा नजर आए ।
ज़ंजीरें गुलामी की कब की तूट चूकी है पर,
है ये कैसी कैद जो नजर न आए ।
चारों ओर बेकारी और मंहगाई का तांडव शोर मचाए
कभी तो ख्वाब ऐसा आए कि भ्रष्टाचार नाबूद हो जाए ।
महिला सुरक्षा के गूंजे नारे, पर
कोई भी औरत यहां सुरक्षित नजर न आए
मनाते है यहां बालदिवस विशेष, पर
बाल मजदूरी में बच्चा-बच्चा पिस जाए
न नियमों का हो कोई बंधन जीवन में
कभी तो ख्वाब ऐसा आए कि कोई भी इन्सान आत्महत्या न कर जाए ।
मिट रही है इन्सानियत मंदिर मस्जिद के नाम पर
कभी तो ख्वाब ऐसा आए कि सबके दिलो में राम-रहीम को पाए ।
कभी तो ख्वाब ऐसा आए जिसमें
भारत माता का हसता चहेरा नजर आए ॥

डॉ. रेखा शाह, मोरबी

आपी किथ पूजे गया

आपी किथ पूजे गया ध्यान अय ? हेक साइकल मी, टन सवारी जाईता
हेक धक्कों मारे, ने बू बेसता, अज सजा वट, बू बू कारा अई
पण भेडा बेसनार, ओ दोस्त केना ख़बर किथ अइ ?
आपी किथ पूजे गया, ध्यान अय ?..२
हेक बिजाना घरे, बोलान जाईता, भेड़ा मिले रख़ड़ता, भटकता इस्कुल जाईता,
अज फेसबुक वॉट्सएप ते, भाईबंध हजार अई, पण केना कोइरे घर रा सरनामा याद अई ?
आपी किथ पूजे गया ध्यान अय ?..२
रमता लड़ता झगड़ता, ने भेडा घरे जाइता, कोइरो नास्तो कुण करे, ए किथ ध्यान अय,
अज फाइवस्टार मी, डिनर रे प्रोग्राम मी पण, बहाना कढ़े कइता,
के मना तारीख़ किथ याद रहेती,
आपी किथ पूजे गया ध्यान अय ?..२
रोड भेड़ा रमता वाते करता, टाइम प्रत्ये सजा अजान हता,
अज रस्ते मी हथ उंचो करेने कईता टाइम कढे ने मिले तायो हेक कम अय,
आपी किथ पूजे गया ध्यान अय ?..२
टन डी पतंग रा कना बंधता, दिवाडी जनमास्टमी री राह जोइता,
आज रजाईयां मी फॅरिन फिरण निकड़े जानू अय,
दोस्त भेड़ा तहेवार मनानरो, किथ टाइम अय,
आपी किथ पूजे गया ध्यान अय ?..२
अठआना री पेप्सी कोला मी, अडधो भाग करता,
पावली रे करमदा मी पंच जना दंत ख़ट्टा करता,
अज सूप सलड़ा ने छप्पन भोग अई पण भाग, पडाण भाईबंधा री ख़ोट अय,
आपी किथ पूजे गया ध्यान अय ?..२

Kirti Bhai Bathar, Thane Mo. 983317033

समाज की अन्य प्रवृत्तियाँ

साई ग्रुप कड़ी

कड़ी का यह एक ऐसा महिला ग्रुप है कि जिसमें 22-25 महिलाये पिछलें 6 वर्ष से जुड़ी हुई है। समजिक कार्यो में भी अपना पूरा सहयोग दे रही है। जैसे कि – किसी के ऑपरेशन में, गरीब बच्चो के पढ़ाई आदि में धन राशि का सहयोग दे रही है। और साथ किसी भी जरूरतमंद को जरूरत हो तो वो सदैव अपना योगदान देते है।

बालगोपाल पाठशाला कड़ी

यह एक ऐसी पाठशाला है जहाँ हमारे समाज के 40 बच्चे वहाँ पर हिन्दु धर्म की शिक्षा ले रहे हैं। तथा साथ में ड्राइंग कॉम्पीटीशन क्विज, विविध सांस्कृतिक प्रोग्राम किये जाते है तथा उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार भी दिए जाते हैं। और हालहि में इस पाठशाला को 17 साल पुरे हुए सभी बच्चों ने बड़ी उत्साह से पाठशाला में इस दिन को मनाया।

आज के समय में प्रदूषण के बढ़ते हुए प्रभाव को रोकने के लिए माहेश्वरी समाज पालनपुर द्वारा एक नयी कोशिश की गयी है हाल ही में स्नेह मिलन पर माहेश्वरी समाज के हर एक घर में समाज द्वारा कपड़े की थैली दी गयी है ताकि हम कुछ हद तक प्लास्टिक का उपयोग कम कर सके और प्रदूषण को रोकने में अपना योगदान दें। माहेश्वरी समाज पालनपुर द्वारा की गयी इस पहल को पालनपुर के अन्य समाज व मिडिया में सहराया गया जो हम सभी के लिए गर्व की बात है। हम आशा करते है कि अन्य शहर के माहेश्वरी समाज भी इस कार्य में जुड़े व इस नेक कार्य को आगे बढ़ाये... धन्यवाद।

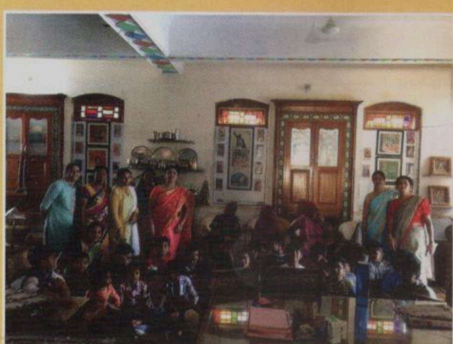

सुरेंन्द्रनगर के कराटे क्लासिस के बच्चो ने महिला मंडल के साथ वृद्धआश्रम में गए तथा वहाँ फ्रूट का वितरण किया तथा वरिष्टजनों के साथ समय बिताया

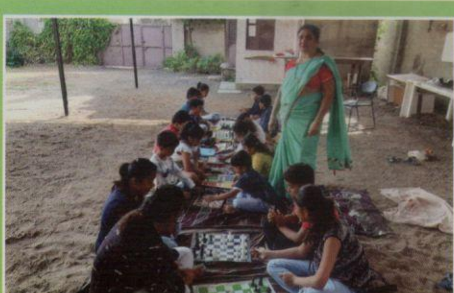

सुरेन्द्रनगर माहेश्वरी समाज के 15 साल के लड़के ने दीपावली के अवसर पर फ्री चेस क्लास का आयोजन करने का सफल व प्रशंसनीय कार्य किया।
मानव सुरेश भूतडा
मंथन सुरेश भूतडा

पालनपुर महिला मंडल द्वारा ड्राइविंग लाइसेंस शिबिर का आयोजन किया गया।

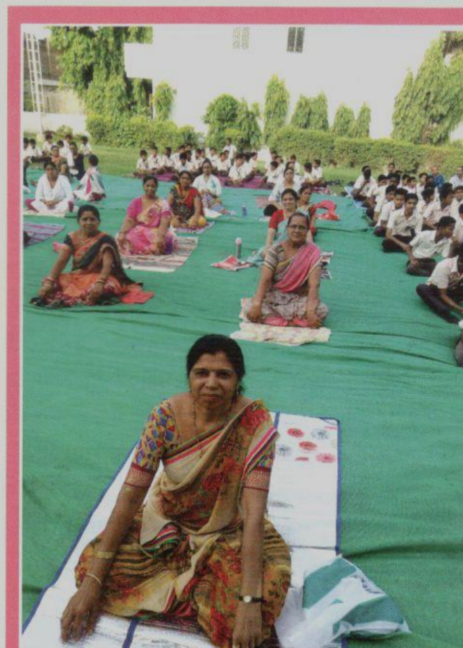

योग दिवस पर पालनपुर समाज द्वारा योगा शिबिर का आयोजन किया गया।

समाज की अन्य प्रवृत्तियाँ

1) श्री यशवंतजी बचानी की माहेश्वरी महासभा की राष्ट्रीय समिति में नियुक्ति हुई है ।

2) श्री जयप्रकाशजी बी केला की माहेश्वरी महासभा की गुजरात समिति में नियुक्ति हुई है ।

3) श्री मणिलालजी लालवानी माहेश्वरी महासभा बनासकांठा जिल्ला के अध्यक्ष बने है ।

आप तीनो **AIFDMS** से भी जुड़े हुए है ।

हार्दिक बधाई

किशनलाल जी माहेश्वरी (बाड़मेर) वाइस चेयरमैन इनकमटैक्स सेटलमेंट कमिटी (मुबंई) बनने पर हार्दिक बधाई

मूलतः गडरा सिटी से आकर गागरिया बसे श्री के.एल. माहेश्वरी ने आज भारत सरकार के आयकर विभाग की सेटलमेंट कमेटी के वाइस चेरमैन पद पर आरुढ़ होकर बाड़मेर जिले का पूरे भारत में नाम रोशन किया है।

केन्द्र सरकार ने उन्हें वाइस चेयरमैन बनाया इससे गडरारोड, गागरिया सहित बाड़मेर जिले में हर्ष व ख़ुशी की लहर है।

के.एल. माहेश्वरीजी ने बचपन से लेकर उच्च शिक्षा का अध्ययन बाड़मेर में ही किया।

बाड़मेर गवर्नमेंट कॉलेज एवं पाली गवर्नमेंट कॉलेज में आप लेक्चरार रह कर छात्रों को अध्ययन करवाया। तत्पश्चात् भारत सरकार की सिविल सेवा की आईआरएस ब्रांच में सिलेक्शन होकर आयकर अधिकारी के रूप में नियुक्त हुए।

दिन प्रतिदिन अपनी कर्तव्य निष्ठा ईमानदारी से कार्य करते हुए आगे बढ़ते गए और आज उच्चतम पद पर आरुढ़ होकर हम सभी का मान बढ़ाया।

आपके इस कीर्तिमान से हम सभी गौरवान्तित हैं । आपके उतरोत्तर प्रगति की मंगल कामनाएँ करते है ।

ललितभाई धनराजजी केला, सुरेन्द्रनगर - केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री श्री रामेश्वर तेली और एएसएचसीएचसी गुजरात से चीनी उद्योग में खाद्य प्रसंस्करण में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का पुरस्कार।

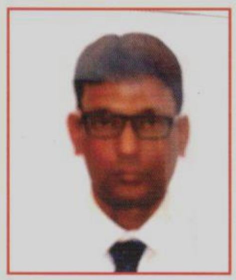

श्यामसुंदरजी राठी (Joint Commissioner of Income Tax) संयुक्त आयकर आयुक्त बनने पर आपको ख़ुब ख़ुब अभिन्दन । आप बाड़मेर निवासी है पर अभी आपकी कर्मभूमि सुरत है । आपने अपने जीवन में कर्तव्यनिष्ठ और ईमानदारी से कार्य करते हुए अपने क्षेत्र में सफलता पाई है और इस पद को हाँसिल किया है । समाज के लिए यह बड़े गर्व की बात है । आप इसी तरह उच्चाईयों को छूते रहे ऐसी शुभकामनाएँ।

गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन की सत्र 2020-23 की नई टीम का गठन गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन की बैठक शुभारंभ सत्र 2020-23 अहमदाबाद माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में दिनांक 1 मार्च 2020 को संपन्न हुई। जिसमें अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के संगठन मंत्री श्री भरत जी तोतला, गुजरात प्रदेश माहेश्वरी सभा के मंत्री श्री कृष्णकुमार जी चांडक की मौजूदगी में रही। बैठक में सत्र 2020-23 के लिये अध्यक्ष के तौर पर नरेश केल्ला (सुरेन्द्रनगर), सचिवपद पर विशाल होलानी, संगठन मंत्री विकास चांडक (अहमदाबाद), खेल मंत्री - अल्पेश माहेश्वरी (पालनपुर) की नियुक्ति की गई।

समाज की अन्य प्रवृत्तियाँ

राजकोट बस स्टेशन ओपनींग सेरेमनी विथ विजयभाई रुपाणी

पालनपुर युवक मंडल द्वारा बल्ड बैंक का प्रतिवर्ष आयोजन किया जाता है तथा महिला मंडल भी इस प्रोजेक्ट में अपना सहयोग देता है ।

टीचर्स रीटायरमेन्ट प्रोग्राम बाड़मेर

गीताजी किशनलाल चांडक
विदाय (रीटायरमेन्ट) समारोह पर सन्मान
पत्तक देते हुई, **AIFDMS President**
तारचंदजी केला और
AIFDMS Team

तलोद - क्रिकेट टुनामेन्ट

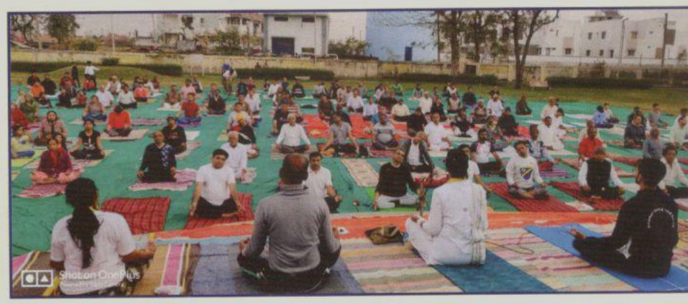

तलोद - योगा शिबिर

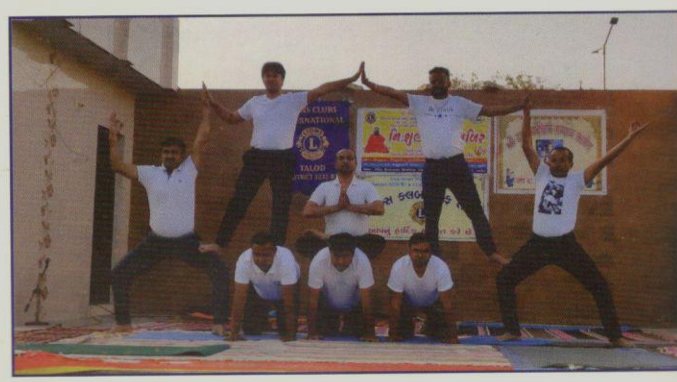

श्री ढाट माहेश्वरी समाज (तलोद) द्वारा तारीख़ 14-15-16 फरवरी को योगा शिबिर का आयोजन किया गया । जिसमें बड़ी मात्रा में लोगो ने भाग लिया । जिसका आयोजन योग गुरु (विधु दीदी कचोलीया - बोम्बे) द्वारा किया गया । जिसमें मणिनगर योगा ग्रुप ने भाग लिया । **Western Ahmedabad** के **Invited** सदस्यों भी उपस्थित थे ।

"दुर फिर भी पास" (तद् दुरे तदु अंन्तिके)

स्व. अशोक राठी द्वारा रचित

इंडस्ट्रीयालिस्ट (कचोरीया फेमिली) पालनपुर, श्री गिरीश राठी बिल्डर एवम् डेवलपर, अहमदाबाद की उपस्थित में पुस्तक विमोचन किया गया।

थोड़ा पुस्तक के बारे में : इस पुस्तक का संपादन जयेश जेठानंद राठी, स्व. अशोक राठी के छोटे भाई ने किया है।

स्व. अशोक राठी के जीवन, त्याग, निष्काम कर्म, समरण्ण, निष्ठा, संघर्ष, आंदोलन, विचार, लिखे लेख, पत्र द्वारा विचार गोष्ठी और निस्वार्थ रचनात्मक कार्य का बड़ौदा में हुआ सराहनिय पुस्तक विमोचन कार्यक्रम।

तद् दुरे तदु अंन्तिके

अशोक : दुर फिर भी पास

तारीख 15 सप्टेंबर को पुस्तक विमोचन प्रोग्राम बड़ौदा के मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में हुआ। पुस्तक का शीर्षक : तद् दुरे तदु अन्तिके, अशोक दुर फिर भी पास का विमोचन, विस्तृत समाज, युवा, युवतियों को जीवन के विभिन्न पहलुओं को रचनात्मक कार्य करते जीवन जीने का नया अभिगम और बृहद समाज को इस विषय और जीवनशैली से अवगत और क्रियाशील किया जाय यही एक उद्देश्य था।

इस प्रोग्राम में माहेश्वरी समाज और गुजरात समाज के 500-525 लोग शामिल हुए। गुजरात के विभिन्न शहर और गाँव से राजस्थान से महाराष्ट्र से दिल्ली से और दुबई से लोग इस कार्यक्रम में पधारे।

इस कार्यक्रम के प्रमुख अशोक पंजवानी जो भरुच इके एक्स लिमिटेड के डायरेक्टर हैं और यूपील के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकलेश्वर से वह थे, कार्यक्रम के मुख्य महेमान श्री डॉ. रोहित शुक्ला जाने-माने विद्वान समाजशास्त्री और अर्थशास्त्री अहमदाबाद से थे, अतिथि विशेष में श्री सुखदेव भाई पटेल समाजसेवी शिक्षणविद् और चिंतक अहमदाबाद, प्रॉफेसर डॉ. श्री प्रणव व्यास, (एम.एस. युनिवर्सिटी, माईक्रोलॉजी) बड़ौदा, प्रोफेसर विपिनचन्द्र त्रिवेदी जंबुसर, रोहित प्रजापति पर्यावरण एक्टिविस्ट, लेखक रिसर्चर और कवि बड़ौदा से, श्री महेन्द्र भाई भट्ट, मानवीय टेक्नोलॉजी प्रणेता प्रयास संस्था के स्थापक मांगरोल गाँव, राजपीपला।

श्री बद्री शंकर जोशी वयोवृद्ध (86 वर्ष) गांधीवादी, सर्वोदय कार्यक्रर, खेडुत नेता, लेखक शांतिग्राम निर्माण मंडल के स्थापक तणछा गांव भरुच जिल्ला, श्री सुरेश चंद्र महेता भूतपूर्व मुख्यमंत्री गुजरात राज्य, महेश पंड्या पर्यावरण मित्र के संपादक एवं पर्यावरण एक्टिविस्ट अहमदाबाद रजनी दवे भुमिपुत्र पखवाड़ा के संपादक तथा मानवीय टेक्नोलॉजी के अग्रेसर।

श्री खुशीराम जेसवाणी : माहेश्वरी समाज के मोभी, एक्स. एम.पी. नड़ीयाद, श्री चमन लाल मथरानी लौ मेडालिट, कंपनी सेक्रेटरी बड़ौदा, श्री त्रिभुवन जी काबरा (भाईजी) आर आर. केबल के चेयरमैन तथा मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री इंद्रलाल माहेश्वरी जोईन्ट कमिश्नर ईन्कम टेक्ष अहमदाबाद, श्री ताराचंदजी केला उद्योगपति माहेश्वरी समाज **AIFDMS** के प्रमुख सुरेन्द्रनगर, श्री जयप्रकाश माहेश्वरी

पुस्तक अशोक राठी के जीवन उनके लिखे लेख उनके किए घए आंदोलन उनके किए गए रचनात्मक कार्यक्रम और जीवन शैली पर आधारित है।

अशोक राठी का निधन (२००३) में हुए आज १६ साल गुजर गए ४६ साल की छोटी आयु में वह इस दुनिया से विदा हो चुके। लेकिन उनके विचार उनके लेख उनके किए गए रचनात्मक कार्य और आंदोलन पानी, पर्यावरण, इकोलॉजी इकोनॉमिक्स यानि अर्थशास्त्र, विज्ञान, खेती, ग्राम उद्योग, ग्रामस्वराज, मानवीय टेक्नोलॉजी, अध्यात्म और जीवन की खोज जो आज भी उतनें ही प्रासंगिक है उस पर यह पुस्तक आधारित है।

अशोक जेठानंद राठी प्रतिभाशाली केमिकल इंजिनियर थे। २५ साल की उम्र में ही वो सोचते थे जीवन क्या है। उन्होंने अपना जिसे हम एक वैभवी कैरियर कहते हैं वह २९ वर्ष की आयु में तिलांजलि दे दी और मानवीयता, मानवीय जीवन और मानवीय टेक्नोलॉजी की खोज की ओर निकल पड़े। उसी समय पिताजी (१९८६ दिसम्बर) की मृत्यु हुई अशोक ने दुसरे दिन से ही आई.पी.सी.एल. की बेहद अच्छी नौकरी और आगे अनेक अच्छी प्रगति की तक को अपने राह में रोड़ा न बने इसलिए अनेकों के मना करने के बावजूद दृढ निश्चय कर त्याग दिया।

आज भी इन सभी क्षेत्र में उनकी याद गूंज रही है लोगों को उनका अभाव महसूस हो रहा है। इसी कारण इस पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में उनके सहयोगी और उनके विरोधी भी इस प्रसंग में सम्मिलित हुए १६ वर्ष बाद भी उन्हें याद किया। न धन था, न कोई हौद्दा फिर भी आज वह पास मालूम हो रहे हैं, सबको छु गइ।

श्री आई.पी. माहेश्वरी जी, प्रोग्राम में अपने वक्तव्य में कहा कि, हमें ऐसे कामों में सहयोग करना चाहिए, ऐसी बातें समाज को समजनी चाहिए, और उन संस्थाओं को हमें आर्थिक मदद भी करनी चाहिए, क्योंकि यह हमारे और हमारे बच्चों के भविष्य को संवारने का काम करती है। हमें खुद के समाज से बाहर का भी सोचना चाहिए। दुसरी बात जो हम यहा रखना चाहते है कि, हम माहेश्वरी समाज संगठन हर वर्ष ऐसे एक या दो प्रोग्राम को विभिन्न शहरों में **AIFDMS** आयोजन करें और उसमें कई अच्छे वक्ता, विद्वान को आमंत्रित करके कोई एक दो विषय पर एक अच्छे ओडिटोरीयम में गोष्टी रखें।

समाज में ऐसे कार्यक्रम की श्रृंखला रखे, युवक-युवतियों को प्रोत्साहित करें ऐसे कार्यक्रम में शामिल करे। समाज सही दिशा और राह पर परिवर्तन की ओर अपने आप जरूर चल पड़ेगा।

अब हम ज्यादा समय नए जीवन की शुरुआत के लिए दे। बहुत पैसा कमाया, अब जीवन और प्रकृति के बदलते और बिगड़ते संतुलन की ओर, समाज के बिगड़ते हालात की ओर और खुद के जीवन की ओर प्रविष्ट हो। घर से एक चिराग (बेटा या बेटी) को इस में सम्मिलित करें।

संपादन : जयेश जेठानंद राठी

कुछ नया और कुछ अलग करने की कोई उमर नहीं होती, हमारे समाज में ऐसी कई प्रेरणा देने वाली महिलाएँ है जो कही न कही कुछ नया और कुछ अलग करने की कोशिश करती है और अपने लिए नई राह बनाती है। तो हम कुछ ऐसी सख्सियत से समाज को रुबरु करवाना चाहते है।

अहमदाबाद

कुसुम वी. माहेश्वरी
अहमदाबाद

(1) पिछले साल मैंने अपने एमएससी को आगे बढ़ाने के लिए एचएनयू विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया। यह एक गहन लेकिन बहुत रोमांचक अनुभव था। एमएससी करने और आगे की पढ़ाई छोड़ने के बीच 24 साल का अंतर था। शादीशुदा होने के साथ और इस लम्बे अंतराल की वजह से वास्तव में थोड़ा डर और अनिश्चितता थी की मुझे सफलता मिलेगी या नहीं, लेकिन जब मैं केम्पस में गयी तो मैंने देखा कि मुझे अपने फैकल्टी के साथ-साथ अपने साथियों का भी बहुत समर्थन मिला। किसी भी शिक्षा को जारी रखने में कभी देर नहीं होती। मुझे यह अवसर और सफलता मिलने की ख़ुशी है।

सुरेन्द्रनगर

(2) सुरेन्द्रनगर महेश्वरी समाज के लिए गर्व की बात है कि अपने बिजी शेड्यूल में थोड़ा टाईम निकालकर अपने महेश्वरी समाज के बच्चों को बिना मूल्य ड्राइंग सिखा रहे हैं।

• करिश्मा हरीश भाई केला • पिंकी हेमंत भाई केला

जोधपुर

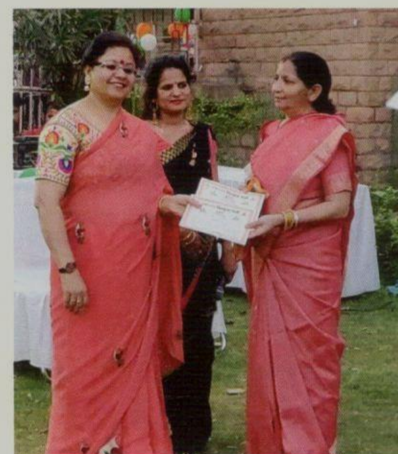

यशोदा गोविन्दजी माहेश्वरी

(3) 10/12 महिने पहले मुझे घरेलू काम के लिए काम वाले की जरुरत थी तब मेरे पास 17-18 साल की लड़की काम के लिए आई कुछ दिन बाद मुझे बोली कि आप मुझे पढ़ा दोगे क्या मैंने बोला क्यों नही मैंने उसको पूछा आप स्कूल नहीं गए तो बोली पहले घर वालों ने नही डाला अब मैं बड़ी हो गई हूं अभी स्कूल में जाऊँगी तो मुझे शर्म आएगी आप मुझे पढ़ा देना दिन में वह घर करो कि काम करती शाम को मेरे पास पढ़ने आती उसको आता देख उसके मोहल्ले वाले पूछते कि तू कहाँ जाती है बोली मैं पढ़ने जाती हूँ, इसको देखकर उसके मोहल्ले वाले बच्चे भी आने लगे दो-तीन बच्चे थे तब तो मैं घर पर पढ़ाती थी फिर बहुत सारे बच्चे होने लगे तो मेरे पास ही में सार्वजनिक पार्क है उसमें पढ़ाने लगी ऐसे करके मेरे पास बहुत सारे बच्चे आने लगे इन्हीं बच्चों में से जो अच्छे पढ़ने वाले थे उनमें से मैंने 17-18 बच्चों का प्राइवेट स्कूल में एडमिशन करा रखा है अब वह बच्चे रेग्युलर सुबह स्कूल जाते हैं शाम को मेरे पास 2 घंटे पढ़ने आते हैं अब मेरे 40-50 बच्चे हो गए हैं और इन्हें हम रोज पढ़ाते है। मेरे साथ और भी शिक्षक जुड़े हुए हैं जो इन बच्चों को पढ़ाते हैं इसके अलावा हम बच्चों को दूसरी गतिविधियाँ भी कराते हैं।

प्राप्त राशि सहयोग

AIFDMS को समाज के बंधूओ से मिला इस साल का अब तक का डोनेशन

1,11,000/- जीतकमल परिवार, अहमदाबाद
- अपने पुत्र सौमिल जितेन्द्रजी माहेश्वरी के लग्न अवसर पर समाज को भेंट

21,000/- श्री तारचंदजी केला, सुरेंद्रनगर
- अपने जन्म दिवस के अवसर पर समाज को भेंट

21,000/- प्रतापदास गोरधनदास ककाणी, शिहोरी
- अपने पुत्र के लग्न अवसर पर समाज को भेंट

21,000/- प्रतापदास लेखराजजी राठी, बोरसद
- अपने पुत्र राज के लग्न अवसर पर समाज को भेंट

31,000/- भेरुमलजी लालवानी, कपडवंज
- शोरूम के उद्घाटन पर समाज को भेंट

51,000/- जुगनुप्रसाद चंदिरा, पालनपुर
- अपने पिता श्री भवरलालजी के स्वर्गवास के निमित्त पर समाज को डोनेशन

21,000/- सुरेशकुमार मुरलीधरजी करवा, चोहटन
- अपने पिताजी के स्वर्गवास के निमित्त पर समाज को डोनेशन

11,000/- दिनेशकुमार बेखटमलजी, कड़ी
- अपने भाई मदनलालजी के स्वर्गवास के निमित्त पर समाज को डोनेशन

महारुद्र यज्ञ - धानेरा

बनासकांठा जिल्ला के धानेरा शहर में दादा लाधुरामजी के डेरे पे दादा लाधुराम सेवा समिति धानेरा तथा माहेश्वरी समाज धानेरा द्वारा दिनांक 3-9-2019 से 5-9-2019 तक तीन दिवसीय 11 कुंडी शिव शक्ति महा रुद्र यज्ञ का आयोजन किया गया। जिसका बड़ी संख्या में समाज के भाईयों और बहनों ने दर्शन का लाभ लिया।

दादा लाधुराम एज्युकेशन सेवा समिति, पालनपुर, संचालित गुरुजी की पाठशाला

गुजरात की निःशुल्क कोचींग देने वाली एक मात्र संस्था। जहाँ कक्षा 7 से 10 तक का निःशुल्क कोचींग दिया जाता है। जिसमें गणित, विज्ञान और टेक्नोलोजी, अंग्रेजी और सामाजिक विज्ञान जैसे विषयो की तालिमी और विशेषज्ञ शिक्षकों के द्वारा अलग-अलग प्रवृत्तिबद्ध प्रयोगो के साथ सरल कोचिंग दिया जाता है। शिक्षा के साथ साथ हर रविवार को संस्कार क्लास एवं छात्रो में छीपि हुई सुषुप्त शक्तिओं को बहार लाने के लिए नृत्य क्लास, नाट्य क्लास, चित्र क्लास, चेस क्लास एवं स्पोकॉन इंग्लिश, सामान्य ज्ञान के क्लास की व्यवस्था भी है। इसके अलावा प्रवृत्ति के जरिए छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान दिया जाता है। पाठशाला में आज तक 6614 छात्रो ने निःशुल्क शिक्षा ली है। और उनके जीवन में प्रगति की है। पाठशाला के पूर्व छात्रों में से कई छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे है। इसके अलावा पाठशाला के छात्रों ने अपने जीवन में सफलता पाकर समाज में और स्कुल कॉलेज में अनेक क्षेत्रों में उपलब्धि हाँसिल की है। गुरुजी की पाठशाला में नशा मुक्ति, स्वच्छता अभियान, प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान जैसे जन जागृति के कार्यक्रमो एवं सिलाई और ब्युटी पार्लर जैसे क्लास द्वारा नारी जागृति के जरिए कई महिलाओं को पगभर बनाकर समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त की है।

डिजिटल महेश नवमी 2020 (एक नया प्रयास) पालनपुर

दिनांक 31-5-2020, रविवार के दिन पालनपुर युवक मंडल द्वारा महेश नवमी का पर्व लोक डाउन की परिस्थिति को ध्यान में रखकर डिजिटल स्वरुप से मनाया गया। उस दिन भिन्न भिन्न तरह के कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। 1500 गरीब लोगो को खाने के तहत फूड पैकेट का वितरण किया गया। समाज की नई भूमी पर एक यजमान के साथ हवन का भी आयोजन किया गया। उस दिन रात्रि सभी माहेश्वरी परिवार में दीप जलाकर दीपोत्सव भी मनाया गया। समाज के सभी परिवार में महेश नवमी का महाप्रसाद का वितरण भी किया गया। एवम् एक घंटे का सांस्कृतिक कार्यक्रम जो डिजिटल टेक्नॉलोजी के तहत टेलीविजन पर एवम् यू ट्यूब चैनल पर भी प्रसारित किया गया जिससे पूरे भारत वर्ष में लोग घर बैठ के यु ट्यूब चैनल से सांस्कृतिक प्रोग्राम देख सके। इस तरह से पालनपुर युवक मंडल टीम के सहयोग से महेश नवमी का त्यौहार मनाया गया। जय महेश।

भारत की महान विभूती

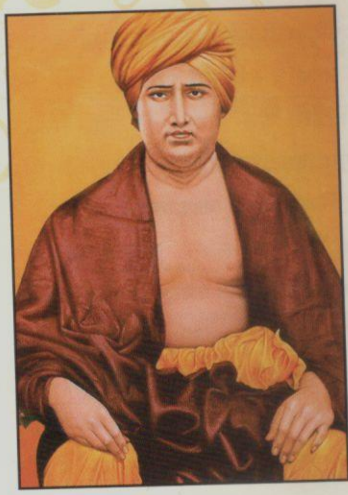

हमारे वेद, उपनिषद एवं ऋषि मुनियों द्वारा एक ही सनातन धर्म की व्याख्या की गई है।

जिसमें समयांतर पर ग्रंथ अलग-अलग विचार के साथ नये नये संप्रदाय का जन्म होता गया और संप्रदाय में भी भिन्न विचारधारा (फिलोसॉफी) के आधार पर अलग-अलग समाज की रचना होती गई, जिसमें जिस व्यक्ति या परिवार विशेष को विचारधारा के साथ सानूकुलता (भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक) होती रही वह उसके साथ जूड़ते गये। जिसमें से एक आर्य समाज भी आता है।

स्वामी दयानंद सरस्वती जी जो की आर्य समाज के स्थापक के रुप में पूजनीय है। यह एक महान देशभक्त एवम् मार्गदर्शक थे। जिन्होंने अपने कार्यो से समाज को नई दिशा एवं उर्जा दी, महात्मा गांधी जैसे कई महापुरुष, स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारो से प्रभावित थे।

स्वामीजी का जन्म **12** फरवरी **1824** टंकारा, गुजरात में एक ब्राहाण परिवार में हुआ था। उन्होंने ब्राहाण शब्द का अपने कर्मो से परिभाषित किया। ब्राहाण वही होता है जो ज्ञान का उपासक हो और अज्ञानी को ज्ञान देनेवाला दानी। स्वामीजी ने जीवनभर वेदो और उपनिषदों का पाठ किया और संसार के लोगो को उस ज्ञान से लांभावित किया।

निरंकार ओमकार में भगवान का अस्तित्व है, यह कहकर उन्होंने वैदिक धर्म को श्रेष्ठ बताया।

1857 में स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना की, **1857** की क्रांति में भी स्वामीजी ने अपना अमूल्य योगदान दिया।

स्वामी दयानंद सरस्वती वैदिक धर्म में विश्वास रखते थे। उन्होंने राष्ट्र में व्याप्त कुरीतियों एवं अंधविश्वासो का सदैव विरोध किया। उन्होंने समाज को नई दिशा एवं वैश्विक ज्ञान का महत्त्व समजाया। उन्होंने कर्म और कर्मो के फल को ही जीवन का मूलभूत सिद्धांत बताया।

यह एक महान विचारक थे, उन्होंने अपने विचारो से समाज को धार्मिक आडम्बर से दूर करने का प्रयास किया।

महर्षि दयानंद सरस्वतीजी ने समाज के प्रति स्वयं का उत्तरदायी माना और इसलिए ही उसमें व्याप्त कुरीतियों एवं अंधविश्वासों के खिलाफ आवाज बूलंद की। जिसमें बाल विवाह विरोध, सती प्रथा विरोध, विधवा पुनर्विवाह का समर्थन किया, एकता का संदेश, वर्णभेद का विरोध मुख्य रहा।

स्वामीजी ने सदैव नारीशक्ति का समर्थन किया है। उनका मानना था कि नारी शिक्षा ही समाज का विकास है, उन्होंने नारी को समाज का आधार कहा। उनका कहना था कि जीवन के हर क्षेत्र में नारीयों से विचार विमर्श आवश्यक है। जिसके लिए उनका शिक्षित होना जरुरी है।

1883 में एक षडयंत्र के भाग में स्वामीजी के भोजन में कांच के टुकड़े मिला दिए गये, जिसमें स्वामीजी का स्वास्थ्य बहोत खराब हो गया, उसी समय उनका ईलाज प्रारंभ हुआ, लेकिन स्वामीजी की हालत में सुधार नही आया और उन्होंने **30** अक्टुबर **1883** में दुनिया से विदाय ले ली।

अपने **59** वर्ष के जीवन में महर्षि दयानंद सरस्वतीजी ने राष्ट्र में व्याप्त बुराईयों के खिलाफ लोगो को जगाया और अपने वैदिक ज्ञान से नवीन प्रकाश को देश में फैलाया और उनके निर्भय स्वभाव एवं शांत वाणी देश में स्वराज का संचार किया।

इस महान आत्मा को कोटि-कोटि वंदन **Team Patrika**

ढाट (थरी) समाज की प्रथम शैक्षणिक संकुल

गुजरात थरी माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट
पालनपुर-संचालित
श्री शिव शक्ति ग्रुप ऑफ एज्युकेशनल इंस्टीट्यूट्स - अंतर्गत
श्री शिव शक्ति बालमंदिर
श्री शिव शक्ति प्राथमिक शाला
महर्षि दयानंद सरस्वती विद्यालय (माध्यमिक विभाग)
श्री शिव शक्ति उच्चतर माध्यमिक शाला

एड्रेस : श्री लजपतराय हरीराम माहेश्वरी शैक्षणिक संकुल, श्री लेख्र हेमराज बचाणी मार्ग, पालनपुर, (बनासकांठा, गुजरात) - **385001**

गुजरात थरी माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट, पालनपुर द्वारा माननीय स्व. लेख्रराज जी बचाणी साहेब (पूर्व सांसद) की प्रेरणा और सदप्रयत्नों से जरूरत विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त शिक्षण उचित दर पर, सही समय पर मिलता रहे इस सन् **2003** से उपरोक्त विभिन्न संस्थाओं की स्थापना करके शिक्षण क्षेत्र में समाज की शुरुआत की थी। इस शिक्षण सेवा का सच्चा यश एवं श्रेय आदरणीय स्वर्गी बचाणी साहेब, ट्रस्ट के कर्मठ ट्रस्टी गण, स्कूल परिवार के शिक्षक गण, आ सहयोग देने वाले दानवीर दाताओं एवं श्रेष्ठीगण के नाम जाता है।

ढाट माहेश्वरी समाज की गुजरात के शिक्षण जगत में यह एकमात्र म शिक्षण संस्थान है। यह संस्था शैक्षणिक एवं भौतिक सुविधायुक्त सुसज्ज संस्थ और शिक्षा, संस्कार, अनुशासन एवं समाज की सेवा में हमेशा तत्पर और अग्रसर

यह संस्था आप सब की है। इस संस्थान को हमेशा प्रगति के प अग्रसर रखने के लिए अतः समाज के समस्त महानुभावों, दानवीरों, शुभचिंत आग्रह किया जाता है कि आप दिल खोलकर इस शिक्षण संस्था को तन-मन- आर्थिक रूप से समर्पित होकर, इस सेवा यज्ञ में सहभागी बनें।

आप सबके आभार के साथ...

आपके विश्वासु,

प्रमुख	मंत्री
श्री भवानीशंकर आर. माहेश्वरी (कचोलिया)	श्री नरेशकुमार यु. चन्दा

गुजरात थरी माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट, पालनपुर

संगीत (जीवन का हिस्सा)

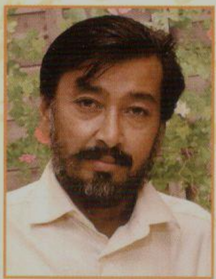

संगीत के बारे में आज लेख लिखते समय संगीत शब्द की व्याख्या ढूंढने की कोशिश की तो ऐसा लगा कि संगीत की व्याख्या अपनी अपनी समझ के हिसाब से हैं। एक दो स्पष्ट व्याख्या करें तो संगीत का मतलब गायन, वादन, नृत्य है तो ये एक कला भी है। इसलिए माँ सरस्वती को संगीत की देवी कहा जाता है कला की देवी है ऐसा भी कह सकते है कि सुव्यवस्थित ध्वनि जो रस की सृष्टि करें। मैं इतना कहुँगा कि संगीत का अर्थ आप जैसा चाहो वैसा निकाल सकते हैं।

हमारे हिन्दु धर्म में हर देवता का अपना अपना वाद्य है। हमारे देवी-देवता भी कला के उपासक है। इस बात की पुष्टि उनके अलग-अलग नृत्य में दिखती है, जैसे कि भगवान नटराज हो या शिव भगवान का तांडव हो। संगीतकार की निपूणता उनके किए हुए कठोर परिश्रम साधना के उपर निर्भर होती है।

संगीत के बारे में आप चाहो जितना लिखो उतना कम पड़ेगा। मनुष्य के जन्म से ले कर मृत्यु पश्चात भी संगीत तो रहता है। आप हमारे संस्कृति में या दूसरे धर्म संस्कृति में संगीत का महत्त्व है। जीवन के हर रस का वर्णन संगीत के माध्यम से स्पष्ट रुप से प्रदर्शित कर सकते हैं। राजा महाराजा भी दरबार में कवि एवं संगीतकार रखते थे। तानसेन उसका नाम सब जानते है। पुराने जमाने में वीर रस का अति महत्त्व था राजदरबारी कवि अपनी कविता गा कर वीर रस जागृत करते थें। दुश्मन देश से लड़ने का जोश पैदा करते थे।

बिना संगीत, शादी का प्रसंग कैसा होगा ? हम सोच भी नहीं सकते बल्कि हर शुभ प्रसंग के साथ संगीत का महत्त्व है। दुनिया में गायन बहोत प्रकार के है। फीर वो माँ की लौरी में भी है और भगवान के भजन गाते भक्त की आवाज में भी है। हमारे ढाटी समाज में भी संगीत का अति महत्त्व है। युं तो महिलाओं को संगीत अतिप्रिय होता है लेकिन ढाटी समाज में होली के घमाडा पुरुष गाते है। उस में भी कई प्रकार होते है शादियों के "श्लोका" पुरुष गाते हैं। यहाँ संगीत भक्ति रस भी है और शादियों में श्रृंगार रस भी है।

ईन्द्र राजा के दरबार में भी संगीत होता था और नृत्य गान भी होता था। कलाकारों का विशेष दर्जा था। हिन्दु समाज में आज पुराने मतलब अति पुरानी मंदिर है वहाँ स्पष्ट रुप से संगीत का उल्लेख मूर्तियों के माध्यम से प्रदर्शित होता है। मुस्लिम आक्रमण के कारण हमारी जीवन शैली तथा भौगोलिक अवस्था बदलती रही लेकिन कई ऐसी जातिया हैं जो अपनी अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संगीत के माध्यम से आने वाली पीढीयों को देते गए और यह प्रथा आज भी कायम है।

मानव जीवन सिर्फ खान-पान अर्थउर्पाजन या अन्य दैनिक प्रक्रिया तक सिमीत नही होता, संगीत हमारे तन-मन को तंदुरस्त रखता है। जिसका तन-मन मजबूत हो वो आदमी सफल अवश्य होता ही है।

संगीत के बारे में और स्पष्ट बताए दुनिया में हर भूगोल-समुदाय और हर परिस्थिति का संगीत है। भारतीय संगीत में उतरभारत, राजस्थान, थार प्रदेश, दक्षिण भारत, कर्नाटकी इस तरह कई प्रकार है और कई नाम जैसे घूमर, रास-गरबा, भांगरा, डीस्को, बैली डान्स, झूमर वगेरे वगेरे।

गायन की बात करें तो ठूमरी, मल्हार, काफी, पखवाज वगेरे वगेरे सूफी-संगीत जो कव्वाली के रूप में प्रस्तूत होता है।

वादन की बात करे तों हारमोनीयम, गिटार पियानो, दिलरुबा, ढोलक, दफ, मंजीरा, तबला, सेक्सोफोन, वायोलीन, बांसूरी, तंबूरा, संतूर, निशान, नगाडा दुनिया के अन्य देशो में भी कई प्रकार है संक्षिप्त में उल्लेख करता हूँ।

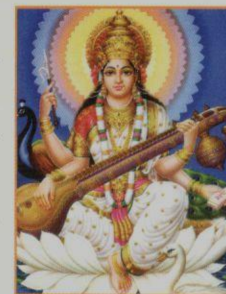

संगीत विषय इतना गहन एवं जटिल है। इस छोटे से पन्ने पर ज्यादा बया नही कर सकते। जिसको संगीत में रुचि नही होती वो इंसान शुष्क होता है। हमारे यहाँ उसको औरंगजेब बोलते है।

चाहे उस जमाने के संगीतकार थे और चाहे आज के दोर के लता मंगेशकर, मोहम्मद रफ़ी हो या अरिजीत सिंह हो। संगीत तब भी लोकप्रिय था और आज भी उतना ही लोकप्रिय है।

थरी समाज के फोजीया सुमरो, धाइ माइ इसके अलावा और भी कइ नाम है।

आज संगीत के व्यवसाय में सबसे अधिक पैसा मिलता है। ये बात भी हकीकत है। बशर्ते माँ सरस्वती की कृपा होनी चाहिए।

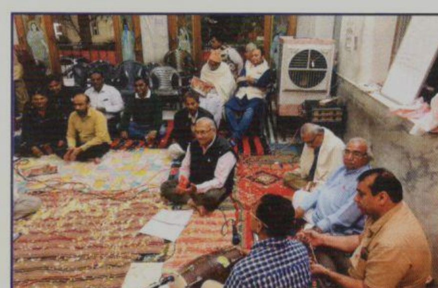

धमाडा
जयपुर

धमाडा
इसनपुर

धमाडा
पालनपुर

- Abhaybhai I. Chandira

दीवान चुन्नीलाल हराणी दूरदर्शी और थारपारकर पाकिस्तान में समाज सुधारक

दीवान चुन्नीलाल हराणी का नाम हिंदू संस्कृति, शिक्षा, महिला सशक्तीकरण के साथ गूंज रहा है। जिन्होंने उन्हें 30-40 साल पहले पाकिस्तान के सबसे दूरस्थ और अंधेरे क्षेत्र में शिक्षा का प्रकाश दिया था।

दीवान चुन्नीलाल हराणी का जन्म 1910 में हुआ था और वो उन चंद छात्रो में से एक थे, जिन्होंने (10वीं कक्षा) उत्तीर्ण की और तत्कालीन ब्रिटिश सरकार के राजस्व विभाग में शामिल हो गए। अपनी नौकरी के दौरान, उन्होंने पूरे सिंध में अपने कर्तव्यों की पेशकश की और बाहरी दुनिया के बारे में जानकारी और अंतर्दृष्टि प्राप्त की। उन्होंने देखा और महसूस किया कि शिक्षा व्यक्तिगत और सामुदायिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने गरीबी हटाने और सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिका को समझा।

वह कर्म में दृढ़ विश्वास रखते थे और आर्य समाज परंपराओं के अनुयायी थे। सरल जीवन, उच्च सोच उनका जीवन जीने का तरीका था। उन्होंने अपने पहुँच और संपर्क के अधिकतम व्यक्तियों को शिक्षित करने के लिए अपना मिशन बनाया था। छुट्टी के समय में वह अपने आस-पड़ोस के छात्रों को अपनी पोस्टिंग के शहर ले जाया करते थे। ये छात्र स्कूलों, कॉलेजों के अन्य छात्रों के साथ बातचीत करते और बाहरी दुनिया, नौकरियों, अर्थव्यवस्था आदि के बारे में अधिक जानकारी हांसिल करते। थरपारकर लौटने पर वे स्कूल के अन्य साथियों के साथ इस प्राप्त जानकारी को साझा करते थे, यह पुराने समय में अनौपचारिक छात्र आदान-प्रदान कार्यक्रम था।

वह समय से आगे थे। महान दृष्टि और दूरदर्शिता थी। 50 साल पहले किया गया उनका काम आज प्रासंगिक है। उन्होंने रोडमैप दिया था। उन्होंने समुदाय और क्षेत्र का गरीबी से सशक्तीकरण तक उत्थान के लिए शिक्षा की शक्ति को दिखाया, कुछ 50 साल पहले 1970 में मामलतदार की नौकरी से सेवानिवृति के बाद उनकी तरफ से समुदाय के सशक्तिकरण के लिए कुछ पहले ली गई थी :

(1) उन्होंने मिठी में बच्चों के लिए पहला और एकमात्र बाल मंदिर स्थापित किया, जहाँ उन्हें साथी बच्चों के साथ सीखने का चंचल वातावरण प्रदान किया गया। छोटे बच्चों को प्रेरित रखने के लिए रोज अलग-अलग चॉकलेट और अन्य खाद्य सामग्री दी जाती थी।

(2) अन्य दोस्तों के प्रयासों के साथ मिठी में सरकारी इंटरमीडिएट कॉलेज की स्थापना की गई, जो थारपारकर में कॉलेज की शिक्षा के लिए आधार बन गया।

(3) तालुका परिषद अस्पताल को कई सुविधाओं के साथ जिला अस्पताल में अपग्रेड किया गया था।

(4) कोर्ट की मदद से गायों और अन्य घरेलू पशुओं के चरने के लिए थरपारकर में गौचर भूमि को अधिसूचित किया गया था। इस कार्यवाही ने अकाल के समय में गायों और अन्य जानवरों को भूख से बचाया। इन कार्यो के परिणाम स्वरूप पशुपालन के आसपास अर्थव्यवस्था का विकास हुआ। इस प्रवृत्ति ने शाकाहारी संस्कृति और जीवित जानवरों को पालने के लिए संरक्षित किया। आज भी थरपारकर में पाकिस्तान के किसी भी जिले से ज्यादा गाय और जानवर हैं।

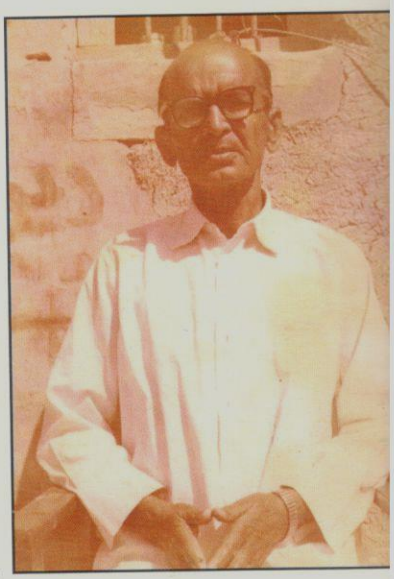

(5) हिंदू लड़कियों को हिंदी, गुजराती और संस्कृत की शिक्षा देने के लिए पाठशाला की स्थापना की। शाम को कक्षाएं आयोजित की गई और विशेषज्ञों द्वारा नियमित परीक्षा आयोजित की गई। प्रेरणा के लिए स
पुस्तकें मुफ्त दी गई और अन्य पुरस्कार दिए गए।

(6) सरकार की मदद से स्थानीय क्षेत्र में सिलाई और कढ़ाई के प्रशिक्षण के लि
कौशल विकास केंद्र स्थापित किया गया था, गरीब, अशिक्षित मध्यम अ
वर्ग की महिलाओं को अपनी घरेलू आय बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण दिया ग
था।

(7) उन्होंने अच्छी आदतों की वकालत की और वह शादी और अन्य अनावश्
सामाजिक आयोजनों के अवसर पर दिखावे और फिजूल खर्च के खिलाफ

(8) उन्होंने अफीम, तम्बाकू, शराब, मृत्यु के समय मिठाई बांटना और दहेज
जैसे सामाजिक बुराइयों के खिलाफ दृढ़ता से काम किया।

(9) हमेशा घर पर भारत से लाया गया गंगाजल रखते थे, पूरा गाँव इसे पूजा
उद्देश्य से या प्रियजनों के अंतिम संस्कार के लिए ले जाता था। भारत से ल
गया तुलसी, केसर, गोपीचंद अन्य पूजा सामग्री सभी के लिए हर वक्त बि
किसी शुल्क उपलब्ध होता था।

(10) किसी को उपदेश दोने से पहले अभ्यास करने में दृढ़ विश्वास रखते थे।

हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि शिक्षा, हिंदू संस्कृति, सामाजिक सशक्तीक
के लिए लगभग 50 साल पहले उनके प्रयासों का फल मिल रहा है
थरपारकर को लाभ पहुँच रहा है। दो हजार से अधिक हिंदू डॉक्टरों, दो ह
इंजीनियरिंग, हजारों पेशेवरों, अधिवक्ताओं, प्रोफेसरों, बैंकरों और व्यापा
और सैकड़ों सिंध सरकार के कर्मचारियों से विरासत जारी है। जो थरपा
निवासी दुनिया के 70 से अधिक देशों में रह रहे हैं, उसमें थोड़ा सा योग
दीवान चुन्नीलाल हराणी के शिक्षा प्रयासों का भी है। ग्रेट स्कॉलर और दूर
को सलाम, जो अभी भी भारत सहित दुनिया भर के प्रियजनों के दिलों में
हैं।

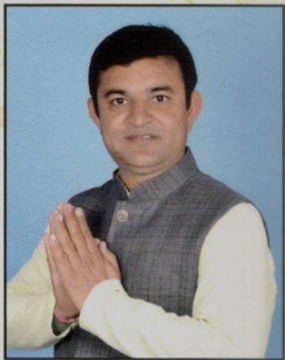

पृथ्वी गौतमदास चांडक

नगर परिषद बाड़मेर नेता प्रतिपक्ष
पूर्व में Advp नगर मंत्री,
भारतीय जनता पार्टी नगर उपाध्यक्ष

श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर की कार्यकारिणी सभा 28/12/2019 को पुष्कर में आयोजित की गई। इस अवसर पर जयपुर के प्रमुख समाज सेवी एवं कार्यकारिणी सदस्य श्री लेखराज माहेश्वरी का 8वी बार **Export Promotion Council for Handicrafts, New Delhi (Ministry of Textile, Govt of India)** के **Commitee of Administration** के सदस्य बनने पर सेवा सदन के अध्यक्ष श्रीमान जयकार किशोरी जी बिरला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिवरतन जी मांदना, उपाध्यक्ष अमृतलाल जी मुंदरा, मंत्री श्री कैलाश जी सोनी एवं कार्य समिति के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा करतल ध्वनि के साथ स्वागत एवं सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लेखराज जी ने सेवा सदनों के विकास के लिए अपने सुझाव दिए।

लघु उद्योग भारती, राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक 11/1/2020 को भीलवाड़ा में सम्पन्न हुई। इस बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बलदेव भाई प्रजापत, अंकलेश्वर; प्रदेश अध्यक्ष श्री लेखराज माहेश्वरी को 8वीं बार EPCH के निर्विरोध सदस्य निर्वाचित होने पर शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया एवं प्रदेश कार्यकारिणी ने करतल ध्वनि से स्वागत किया।

राजेश हारानी एन्ड डॉ. दर्शनबेन जगानी ने पाकिस्तान के हिंदू प्रवासियों के लिए भारत के सम्मानित श्री अमितभाई शाह केंन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नागरिक सुरक्षा कानून (सीएए) के साथ बैठक की। इससे पाकिस्तान में रहने वाले हमारे ढाट माहेश्वरी समुदाय को प्रवास के बाद आसानी से भारतीय नागरिकता मिल सकेगी। लगभग 3000 माहेश्वरी परिवार अभी भी पाकिस्तान में रहते है।

हार्दिक अभिनंदन

केंद्रीय खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री
(श्री रामविलास पासवानजी) भारत सरकार नई दिल्ली ने
श्री सुनीलजी गिगल (बड़ौदा) को
फूड कॉर्पोरेशन ऋफ इंडिया (FCI) भारत सरकार की
कन्सल्टटिव कमेटी गुजरात स्टेट के सदस्य नियुक्त करने पर
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

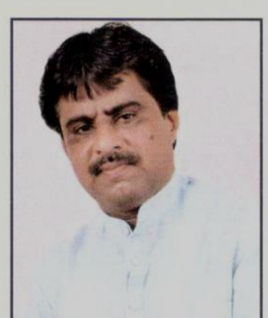

श्री किशोरभाई माहेश्वरी (कचोलिया)
पाटन शहर के भाजपा के अध्यक्ष बनने पर हार्दिक अभिनन्दन

बाड़मेर माहेश्वरी परिवार दर्पण निर्देशिका का हुआ विमोचन

15 दिसम्बर 2019 राजस्थान के बाड़मेर में राज्य के समस्त ढाट माहेश्वरी समाज बन्धुओं की पारिवारिक गणना एवं दूरभाष निर्देशिका का विमोचन कार्यक्रम स्थानीय इन्द्रप्रस्थ रिसोर्ट में रखा गया। कार्यक्रम में राजस्थान व गुजरात से पधारे लगभग 30 समाज अध्यक्ष, वरिष्ठ नागरिक गण, भूतपूर्व अध्यक्षगण व समाज के महानुभाव एवं माताओं बहनों ने शिरकत की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संदीप जी काबरा महामंत्री अखिल भारतीय महासभा व राजस्थान अध्यक्ष रतनलाल जी डागा रहे। साथ कार्यक्रम के प्रथम सत्र के मंचासीन अतिथीगण श्री लेखराज जी माहेश्वरी, अर्जुनदासजी राठी (बंदुरा), ताराचंदजी केला, आई.पी. माहेश्वरी थे, द्वितीय सत्र के मंचासीन अतिथि चेतनदासजी केला, घनश्यामदास जी राठी, प्रभुलाल जी करवा, खेताराम जी सांड्रीरा सभी भूतपूर्व अध्यक्ष बाड़मेर समाज व ओमजी बाहेती, पीताम्बरदास जी तहसीलदार, खेतानजी शारदा, खटाउमलजी चाण्डक, टीकमदासजी राठी, दीपचंद जी गीगल, जिलाध्यक्ष सवाईमाधोपुर, महानंदजी शारदा जिलाध्यक्ष जालोर व बाड़मेर नगरपरिषद् के विपक्ष नेता पृथ्वी चाण्डक वह जैसलमेर से पार्षद मोतीलाल जी रहे

कार्यक्रम की अध्यक्षता बाड़मेर समाज अध्यक्ष श्री पीताम्बरदासजी धाराणी ने की। समिति द्वारा सभी मंचासीन अध्यक्ष श्री पीताम्बर विज्ञापनदाताओ का साफा, शाल ओढाकर सम्मान किया। समिति संरक्षक वासुदेवजी राठी, खीमपालजी राठी, जवाहरशा राठी व सभी पधारे हुए मेहमानो, समाज बन्धुओं, माताओं, बहनों एवं कार्यक्रम में सहयोगी युवा कार्यकर्ताओ का आभार व्यक्त किया। समिति अध्यक्ष रमेश शारदा ने बताया बाड़मेर में पहली बार आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 1300 समाज बन्धु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पुस्तिका के मुख्य संपादक झामनदास चाण्डक का संदीप जी काबरा एवं मंचासीन अतिथियों ने स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया।

निर्देशिका के सह संपादक एवं समिति सचिव मुकेश करवा एवं समिति के सभी सदस्यों की टीम के अथाक प्रयासों से 3 वर्षो में यह आकर्षक बहुउपयोगी रंगीन पुस्तिका समाज के लोगों के लिए उपलब्ध की गई है। माहेश्वरी संदेश पत्रिका द्वारा बाड़मेर समाज व माहेश्वरी सेवा समिति के इस सफल प्रयास की हार्दिक शुभकामनाएं।

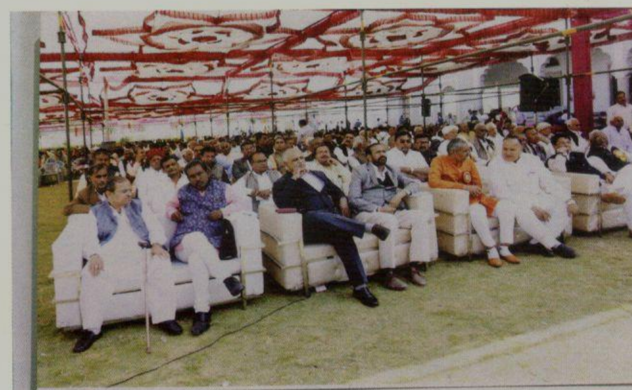

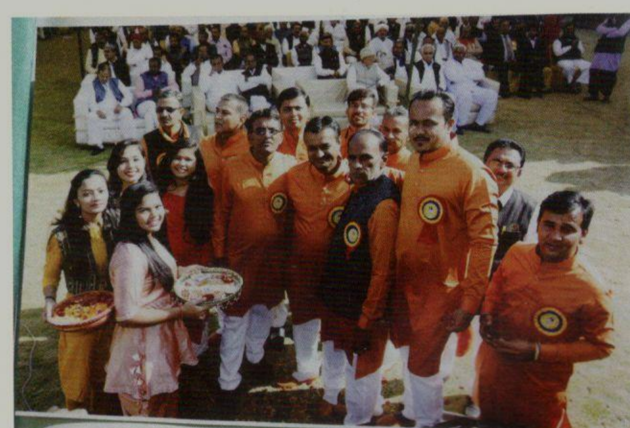

दान देने के लिए क्या अमीर होना आवश्यक हैं?

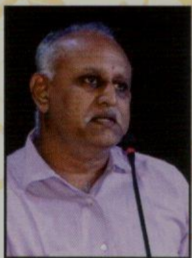

दान देने के लिए क्या अमीर होना आवश्यक हैं या यों कहें कि सिर्फ अमीर व्यक्ति ही दान कर सकता हैं, यह विचार पूर्णतया सत्य नही है।

परमात्मा ने इस धरती पर श्वास ले रहे प्रत्येक मनुष्य में यह खूबी दी हैं की वह अपने स्तर पर अपना जीवन निर्वाह करते हुए भी कुछ सहयोग दूसरों के लिए कर सकता हैं।

पशु अपनी दैनिक जीवन चर्या में लगे हुए होते हुए भी इस जगत में सभी प्राणियों के लिए खूब उपयोगी हो रहे हैं तो मनुष्य जिसमें परमात्मा ने बहुत सारे गुण दिए, उसमें इतनी सामर्थ्य हैं कि वह मिलकर इस धरती को स्वर्ग बना सकें।

सवाल सिर्फ सोच बदलने का हैं। हर व्यक्ति यदि अपने परिवार के अतिरिक्त दूसरे को कुछ सहयोग करने की ठान ले तो दुनिया में सभी जगह स्वर्ग नजर आएगा। स्वर्ग देखने के लिए मरने की जरुरत नही हैं, जरुरत हैं सिर्फ अपने से परे देखने की।

आज के समय में जब अधिकतम व्यक्तियों के पास आय (ईन्कम) के बहोत ही सीमित स्रोत (सॉर्स) हैं, ऐसे समय में क्या सभी से दान की अपेक्षा रखी जा सकती हैं? मैं समझता हूँ कि यह अत्यंत आवश्यक हैं कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान करें।

हमें अपने गृहस्थ जीवन में फिजूलखर्ची कम करके पैसा बचाना होगा, जिसका उपयोग समाज में हो रहे अच्छे कार्यों में सहयोग के रूप में देख सके। अमीर व्यक्तियों को खूब दान करना चाहिए लेकिन सिर्फ उन्हीं के भरोसे समाज में बड़े कार्य नहीं हो सकते। समाज में बड़े कार्यो को पूरा करने के लिए सभी को जुड़ना होगा।

जब प्रत्येक व्यक्ति को महसूस होगा की यह कार्य उसकी भी जवाबदारी हैं तो वह उस कार्य के लिए न सिर्फ धन से सहयोग करेगा बल्कि अपना अमूल्य समय भी देगा जिससे समाज में सकारात्मकता बढ़ेगी और अच्छे कार्य करने वालों का हौंसला बढ़ेगा।

आज छोटे छोटे व्यक्तिगत प्रसंग पर बहुत ही ज्यादा पैसा खर्च किया जा रहा हैं, जरुरत हैं ऐसे सभी खर्चों को कम करने की।

जन्म-दिन अथवा वर्षगांठ मनाने के लिए दो सौ से अधिक मेहमानों को बुलाया जाता हैं, उनके खाने, रिटर्न गिफ्ट एवं मनोरंजन पर दो-तीन लाख रुपय का खर्चा किया जाना सामान्य बात है। साथ ही आने वाले मेहमानों द्वारा भी गिफ्ट पर दो-तीन लाख रुपए का खर्चा किया जाता है।

यदि ऐसे सभी प्रसंगो को सिर्फ परिवार के सदस्यों तक सीमित कर मनाया जाए तो परिवार एवं उनके मेहमानों का चार-पाँच लाख रुपए बचाया जा सकता हैं जिसका उपयोग किसी भी अच्छे कार्य में हो सकता हैं।

ऐसी ही एक पहल श्री महेश गौ-सेवा ट्रस्ट, अहमदाबाद द्वारा की गई जिसमें उन्ही के एक सदस्य द्वारा अपने जन्म-दिन के लिए अपने रिश्तेदार एवं मित्रों से रु.5,01,000/- की सहयोग राशि नन्दी गौशाला, बाड़मेर को पशु चिकित्सालय बनाने के लिए भेंट की गई है।

एक शुरुआत हो गई हैं, आओ, हम सभी ि

आई.पी. माहेश्वरी अहमदाबाद

मंत्री संदेश

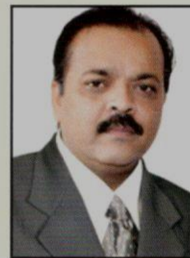

जय महेश,

भगवान ने दो अद्भूत उपहार दिए है।

एक "पसंद" दूसरा है.... "मौका"

"चुनाव अच्छे जीवन और जीवन को बेहतर बनाने के अवसर के लिए है।"

AIFDMS के संबंध में, ढाट माहेश्वरी समुदाय का एक एकल राज्यस्तरीय संगठन है। यह एक छोटे पैमाने पर संगठित स्थानीय संगठन के साथ-साथ एक गैर-असंगठित संगठन है और सेवा, परित्याग और अच्छे विश्वास के साथ काम कर रहा है।

छोटे स्तर के स्थानीय संगठन कई स्थानों पर बहुत अच्छा कर रहे है। कुछ स्थानों पर वे पर्याप्त रुप से संगठित नहीं हैं। साथ ही साथ निम्नलिखित कार्य और प्रदर्शन करता है।

टेलीफोन डायरेक्टरी, जनसंख्या पत्रक, सामाजिक सुरक्षा योजना, जरुरतमंद मरीज को वित्तीय सहायता, सामूहिक विवाह, धर्मांतरण सम्मेलन, हरिद्वार-कथा, तीसरा महीना पत्रक, कराटे प्रशिक्षण, मातृत्व सम्मेलन, महेश गौ सेवा, सामान्य चैट चैट लाउंज।

इसलिए हम सभी को अनंत समाज की मानवता तक पहुँच से दूर इन सेवाओं को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। इसलिए कई शुभ अवसरों जैसे कि सगाई, शादी, जन्म के अवसर, शादी की सालगिरह, किसी भी काम में उपलब्धि, साथ ही साथ वित्तीय रोमांच, आप वित्तीय सहायता प्रदान करके जीवन को बेहतर बनाने के लिए AIFDMS का लाभ उठा सकते हैं।

आभार

जयप्रकाशजी माहेश्वरी (कचोलिया)

सेवाकीय कार्य

जय प्रकाश माहेश्वरी जी जिन्होंने Covid-19 के जैसी महामारी के चलते पालनपुर में कई सेवाकीय कार्य किये, चाहे वह पैदल चल कर आने वाले व्यक्तियों का समुह हो या कोई जरुरतमंद परिवार हो सभी जगह पर श्री जयप्रकाश जी व उनकी टीम के द्वारा सभी को फुड पेकेट, रहने की व्यवस्था तथा यातायात की व्यवस्था करवाकर सुरक्षित स्थान तक पहुँचाया गया। इन सभी कार्यो को ध्यान में रखते हुए डीस्ट्रीक्ट (रोटरी क्लब) से **Best Digaster** के एवोर्ड से सम्मानित किया गया।

जयप्रकाशजी माहेश्वरी (कचोलिया), पालनपुर
मंत्री, **AIFDMS**

#CoronaWebinar

जय महेश

"घर गुलजार, सूने शहर,
बस्ती बस्ती मे कैद हर हस्ती हो गई,
आज फिर जिंदगी महँगी और
दौलत सस्ती हो गई ।"

#Corona #Covid-19 #StayHome #Pandemic #StayHappy #StaySafe #Sanitiser #SocialDistance #Stay Healthy #Coronaworrier #LockDown #WearMask #CoronaFighters #SupportDoctor's #TakeCare #Government #Quarantine #Out Break

जैसे कई "#" अभी सोशियल मिडिया में चल रहे हैं । हम यह कह सकते है कि अभी हम सभी के जीवन में ऐसा तुफान चल रहा है, जो शान्त है पर उसका ख़ौफ बहुत है । एक ऐसा तुफान जो कब ख़त्म होगा किसी को नहीं पता । आज इंसान - इंसान से डरा हुआ है । कोरोना वायरस ने हमारे जीवन को इतना बदल दिया है, जिसका हम में से किसी ने अनुमान भी नहीं लगाया होगा ।

"कुदरत" जिसके साथ मानव ने इतनी छेड़-छाड़ की है, उसका स्वरुप बदलने की कोशिश की हैं, बस शायद कुदरत फिर से वही अपना रुप चाहती है, वही शान्ति चाहती हैं, बिना किसी प्रदुषण और शोर-गुल के और कही न कही हम ये महसूस भी कर रहे है,कि चाहे वो पंछीके चहचहाने में हो, या सुनी सड़को पर चलती हुई हवाओं की सरसराहट में हो

"Lock Down" शब्द जब हमने सुना, उसे अपनाया तो पहले तो घर कैद के समान लगा पर धीरे-धीरे जब हम घरो में परिवार के साथ लम्बे समय तक रहने लगे तो उनकी अहमियत समझ में आने लगी । इस परिस्थिति ने मौका दिया खुद को जानने का अपने आप को टटोलने का । जिन ख़ुशियों को ख़रीदने के लिए हम ताह उम्र भाग रहे थे वो तो हमारे आस-पास हमारे अपनों में ही है । समझ में आने लगा कि जिन भौतिक चीजों के बिना जिन्दगी आसान नहीं लगती थी आज बिना उसके भी सुकुन और शांति है । न कोई दिखावा है, न किसी से ईर्ष्या ।

यकीनन बदलाव तो बहुत से आये हैं, कुछ को हमने स्वीकारा है तो कुछ को परिस्थितियों ने स्वीकार करने पर मजबुर किया है ।

हम बात करे हमारे समाज की तो इन सभी परिस्थितियों के बावजूद भी हमारे समाज की गति कभी नहीं रुकी और यह एक सुदृढ़ समाज की निशानी है ।

जहाँ हम सामाजिक कार्य इकट्ठा होकर नहीं कर सकते वहाँ हमने डिजिटल टेक्नॉलॉजि को अपना कर हमारे सभी सामाजिक कार्य जैसे महेश नवमी, कोई भी प्रतियोगिताएँ तथा अन्य सामाजिक बैठख़ (Social Meeting) आदि को डिजिटल के माध्यम से घर-घर में पहुँचाई । यह एक सराहनीय कार्य है ।

टीम पत्रिका द्वारा भी Covid-19 Webinar का आयोजन किया गया । जिसमें समाज के 10 Doctor (Covid Worrier) की टीम थी साथ ही Corona Fighter जिन्होंने कोरोना को मात दी तथा Federations Presidents तथा अन्य Federations मेम्बर्स, समाज के 120 मेम्बर्स ने भाग लिया । यह समाज का प्रथम वेबिनार था ।

यह टीम पत्रिका के लिए बड़े गर्व की बात है । और हम धन्यवाद करते है सभी का जिन्होंने इस वेबीनार को सफल बनाने में सहयोग दिया है ।

हम नमन करते है हमारे समाज के उन सभी Worriers (Doctor's) को, उन Fighter's को तथा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रुप से सेवाएँ देने वाले सेवाभाविओं को जिन्होंने तन-मन और धन से सभी जरुरतमंद लोगों की सेवा की है । शत् शत् नमन है आप सभी को और समाज को आप पर गर्व है ।

हम नहीं भुल सकते उन परिवारों को जिन्होंने कोविड-19 जैसी महामारी से अपने परिवारजन को ख़ोया हैं । भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे, और परिवार को इस आपदा का सामना करने की शक्ति प्रदान करें ।

Meenu G. Maheshwari (Kacholia)
Palanpur (Member of Team Patrika)

सेवाकीय कार्य

कारोना वैश्विक महामारी जैसे मुश्किल समय में जब प्रत्येक व्यक्ति एक-एक पैसा स्वयं के लिए रख़ना चाहता हैं, कुछ भामाशाह परिवार ऐसे भी थे जो सिर्फ WhatsApp मैसेज पढ़कर आगे आ गए हैं ।

G 8 FOODERA ग्रुप द्वारा ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ ढाट माहेश्वरी समाज के सहयोग से जरुरतमंद परिवारों के लिए 27 मार्च से 10 अप्रैल तक करीब 24000 फूड पैकेट बनाकर वितरित करने के लिए अहमदाबाद महानगर निगम (13000), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (10000) एवं अन्य (1000) को दिए गए थे ।

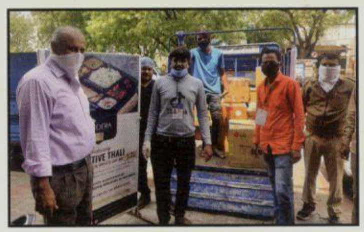

इन फूड पैकेट में सुबह पुड़ी सब्जी के करीब 11500 पैकेट एवं शाम को चावल एवं तुवेर दाल की ख़िचड़ी के 12500 पैकेट बनाकर दिए गए थे ।

G 8 FOODERA ग्रुप समाज के विभिन्न भामाशाहों एवं मित्र वर्ग के सहयोग एवं संस्था के समर्थन से यह मानवतापूर्ण पहल (Initiative) कर सका ।

फूड पैकेट बनाने के लिए जरुरी सहयोग राशि मिलने पर यह मैसेज दे दिया था की अभी और सहयोग राशि की जरुरत नहीं हैं और दाताओं से ख़र्च से अधिक राशि नहीं ली गई ।

24000 फूड पैकेट बनाने का अंदाजित ख़र्च करीब तीन लाख़ बारह बजार रुपए का हुआ है ।

आई.पी. माहेश्वरी | अहमदाबाद | +91 94087 94006

मेरे द्वारा एटमोस्ट जयपुर में पांच जगहों पे 26 मार्च से लेकर 30 मई तक लगातार फुड पेकेट डीस्ट्रीब्युट का प्रोग्राम चला, करीब करीब 1.60 लाख़ तक का फूड पेकेट डीस्ट्रीब्युट हुए, ईसके अलावा करीब 150 कोरोना फाईटर का भी सम्मान किया गया ।

श्री लेखराज लधड़, जयपुर

श्रद्धा सुमन

दिनांक	नाम	शहर
04-08-2019	श्री झामनदास हरलालजी मोतीयानी	बाकरा रोड
05-08-2019	श्रीमती बचीदेवी आसनदास चांडक	आणंद
09-08-2019	श्री उत्तमचन्द रामजीलालजी केला	काईटो
10-08-2019	श्री राहुलकुमार अशोकभाई मुलानी	अहमदाबाद
15-08-2019	श्रीमती कान्ताबेन राजेशभाई कचोलिया	साणंद
17-08-2019	श्री पिताम्बरदास मथुरादास लधड़	हालोल
21-08-2019	श्री अभिमन्यु जसरुपदास भूतड़ा	बाजवा
21-08-2019	श्री तनसुखदास सागरमलजी लधड़	धोरीमना
21-08-2019	श्री राजा जुगलकिशोर शारदा	सांचोर
24-08-2019	श्री देवीलाल खुशालदासजी भूतड़ा	बाकरा रोड
25-08-2019	श्रीमती भोमीदेवी करमचंदजी कचोलिया	चेल्हार
27-08-2019	श्रीमती संणगारीदेवी रामलालजी शारदा	धानेरा
28-08-2019	श्री ताराचंद बेखटमलजी शारदा	सूरत
29-08-2019	श्री हीरालाल चतुर्भुजजी सांझीरा	आणंद
30-08-2019	श्रीमती जानकीदेवी जयरामदास गोकलानी	मोडासा
30-08-2019	श्रीमती गवरीदेवी पूनमचंदजी राठी	बोरसद
01-09-2019	श्री जुगल राधाकिशनजी मल्हर	सांचोर
02-09-2019	श्री अमृतलाल झामंनदासजी भूतड़ा	मोडासा
04-09-2019	श्री वासुदेव जगदीशजी शारदा	रानीवाड़ा
10-09-2019	श्रीमती नवलबेन मोहनलालजी राठी	पालनपुर
13-09-2019	श्रीमती जयवन्तीदेवी राजेशकुमार शारदा	भीनमाल
13-09-2019	श्रीमती पप्पुदेवी गोतमदासजी भूतड़ा	सेवड़ी
13-09-2019	श्री पूनमचंद सोमजीमलजी कड़वा	विजापुर
17-09-2019	श्रीमती अयोध्यादेवी डूंगरमलजी कड़वा	बाड़मेर
20-09-2019	श्रीमती कमलादेवी ताराचंदजी राठी	पालनपुर
24-09-2019	श्री लेखराज रूपचंदजी लधड़	अहमदाबाद
26-09-2019	श्री अमृतलाल ताराचंदजी राठी	कोशिन्द्रा
29-09-2019	श्रीमती शकुन्तला हजारीमलजी पनपालिया	हालोल
06-10-2019	लताकुमारी पुत्री दुर्गाशंकरजी भूतड़ा	भीनमाल
07-10-2019	श्रीमती पार्वतीबेन प्रभूलालजी शारदा	पालनपुर
08-10-2019	श्रीमती कवीता जयेश्कुमारजी गीगल	चकलासी
09-10-2019	श्रीमती रेवतीबेन मोतीरामजी केला	मोडासा
18-10-2019	सिया पुत्री प्रमोद अमृतलाल भूतड़ा	जैसलमेर
21-10-2019	श्रीमती कलावतीबेन दुर्गेशभाई केला	पालनपुर
21-10-2019	श्री फरसराम खीमचंदजी कड़वा	पालनपुर
24-10-2019	श्री लजपत जगुमल अखाणी	मीरपुर खास
29-10-2019	श्रीमती तुलसीदेवी भगवानदासजी सांझिरा	जयपुर
29-10-2019	श्रीमती मंदोदरीदेवी धरमदेवजी राठी	बारेजा
31-10-2019	श्रीमती हरीदेवी महादेवजी शारदा	भीनमाल
01-11-2019	श्रीमती गवरीदेवी पुरुशोतंदास राठी	बाड़मेर
03-11-2019	श्री राजेशकुमार मदनलालजी मोहता	भीनमाल
07-11-2019	श्री भंवरलाल केशवलाल गीगल	अहमदाबाद
11-11-2019	श्रीमती छगीदेवी द्वारकादासजी शारदा	आणंद
11-11-2019	श्री सुनीलकुमार गोतमदास राठी	भोरीलो
13-11-2019	श्री मदनलाल खीमराजजी चांडक	आणंद
15-11-2019	श्री तुलजाराम मलजीरामजी राठी	राणीवाड़ा
16-11-2019	श्रीमती भीखीबहेन नगराजमलजी गोमदानी	कड़ी
16-11-2019	श्रीमती देवीबेन रामचंद्रजी बट्टड	गांधीधाम
19-11-2019	श्री प्रतापचन्दजी जसरूपदासजी राठी	भीनमाल

दिनांक	नाम	शहर
21-11-2019	श्री कमलेशकुमार भवानीशंकरजी चांडक	पंसोरा
23-11-2019	श्री किशनलाल पूनमचंदजी शारदा	चोहूटन
23-11-2019	श्रीमती चंद्रादेवी गोरधनदासजी शारदा	बोरसद
25-11-2019	श्री रतनलाल डूंगरमलजी सांझीरा	छोड़
04-12-2019	श्री गोरधनदास खुशालदासजी भूतड़ा	पादरा
05-12-2019	श्री हरीराम कानजीमलजी शारदा	भीलडी
06-12-2019	श्रीमती उर्मीलाबेन सुरेशकुमार ककाणी	शिहोरी
09-12-2019	श्रीमती खेतीबेन प्रभुलालजी राठी	अहमदाबाद
10-12-2019	श्री नंदलालजी वाघजीमलजी बट्टड	बाकरा रोड
10-12-2019	श्री अंबालाल दामोदरदासजी कड़वा	आणंद
16-12-2019	श्री धर्मेन्द्र तनसुखलालजी शारदा	अहमदाबाद
18-12-2019	श्री श्रवणकुमार मूलशंकरजी मथराणी	बाड़मेर
22-12-2019	श्री दीपचंद मुरलीधरजी राठी	बावला
25-12-2019	श्री पुरुषोतमदास फरसरामजी जीवाणी	जालोर
27-12-2019	श्री गौतमदास केवलचंदजी भूतड़ा	जैसलमेर
27-12-2019	श्री फरसराम भोमजीमलजी राठी	थराद
01-01-2020	श्री थिरपालभाई उत्तमचन्दजी केल्ला	गांधीनगर
03-01-2020	श्री रमेश मेघराजजी शारदा	बोरसद
03-01-2020	श्री गौतमदास जीवराजमलजी बट्टड	गांधीधाम
04-01-2020	श्रीमती कमलादेवी पुरुषोत्तमदासजी भूतड़ा	तलोद
04-01-2020	श्री महादेवदास नारायणदासजी राठी	बाजवा
06-01-2020	श्री रेलाराम बेखटमलजी कचोलिया	गांधीधाम
06-01-2020	श्रीमती मंजुलादेवी घनश्यामदासजी कचोलिया	मोरबी
06-01-2020	श्रीमती गवरीदेवी भोजराजजी राठी (बंदुरा)	हेदराबाद
11-01-2020	श्री मणीलाल डूंगरोमलजी चंदीरा	करजण
16-01-2020	श्री सतरामदास गोविंदरामजी केला	कराची
17-01-2020	श्री ताराचंद सजनमलजी राठी	सांचोर
17-01-2020	श्री भगवानदास नरसिंगदासजी भूतड़ा	धानसा
18-01-2020	श्री किशनलाल जीवराजमल मलहर	छापी
21-01-2020	श्रीमती मंदोदरीदेवी हरीरामजी गोकलानी	उंदेल
27-01-2020	श्रीमती देवीदेवी नरसिंगदास भूतड़ा	जैसलमेर
27-01-2020	श्रीमती राणीबाई कस्तूरचंद कड़वा	कणभीपुरा
28-01-2020	श्रीमती भगवतीबेन राधाकिशन राठी	पालनपुर
29-01-2020	श्री बलदेव माणेकलाल बट्टड	अहमदाबाद
29-01-2020	श्री प्रवीण जेठानंद सांझीरा	सवाईमाधोपुर
02-02-2020	श्रीमती धापूदेवी टीकमदासजी	मेडा - भीनमाल
03-02-2020	श्री चमनलाल भोजराजजी शारदा	बाड़मेर
05-02-2020	श्रीमती सतीदेवी बेखटमलजी केला	खुहडी
06-02-2020	श्रीमती तगीदेवी सारंगमलजी भूतड़ा	चारा- भीनमाल
08-02-2020	श्री सतरामदास हरीरामजी केला	अहमदाबाद
08-02-2020	श्री रवि (गोरांग) ताराचंदजी शारदा	नडियाद
13-02-2020	श्री सारंगराम कस्तूरचंदजी कसुम्बिया	इकबालगढ़
17-02-2020	श्री स्वरूपचंद चतरोमलजी कड़वा	जैसिंदर
19-02-2020	श्री जयशंकर कस्तूरचंदजी राठी	बाड़मेर
20-02-2020	श्री लाधुराम खेतारामजी राठी	चोहूटन
23-02-2020	श्रीमती चांदीदेवी पुरुशोतमदास बचानी	मिट्ठी
27-02-2020	श्रीमती रेवतीदेवी उकारामजी केल्ला	छाणी
28-02-2020	श्री अमोलखदास खुशालदास थोभरानी	भीनमाल
04-03-2020	श्री डूंगरमल लछमणदास कचोलिया	छापी

श्रद्धा सुमन

दिनांक	नाम	शहर
13-03-2020	श्री कल्याणदास विणोमल सितारामानी	काईटो
13-03-2020	श्रीमती कमलादेवी जेठानंद शारदा	सांचोर
15-03-2020	श्री सुरेशकुमार मदनलाल चांडक	कुकरवाडा
16-03-2020	श्री रमेशकुमार रानोमल कसुम्बिया	मोडासा
22-03-2020	श्री बिहारीलाल बाँकीदास शारदा	धानेरा
31-03-2020	श्री महेशकुमार हरीकिशनजी मालपानी	सूरत
01-04-2020	श्री भंवरलाल रामजीमलजी चंदीरा	पालनपुर
04-04-2020	श्री किशनलाल गिरधारीलालजी चांडक	कड़ी
08-04-2020	श्रीमती चंद्रादेवी डूंगरमलजी केल्ला	भीनमाल
08-04-2020	श्री राजेशकुमार तनसुखजी केल्ला	मांजरोल
10-04-2020	श्रीमती भगवतीबेन ताराचंदजी गोकलानी	अहमदाबाद
11-04-2020	श्रीमती धायेलीदेवी इशरदासजी चंदीरा	अहमदाबाद
14-04-2020	श्री पमनदास गोरधनदासजी मथरानी	साणंद
15-04-2020	श्रीमती विध्यादेवी जसवंतराज मालपानी	जोधपुर
16-04-2020	श्रीमती बादलीदेवी बालचंदजी भूतड़ा	सेवडी
18-04-2020	श्री हेमराजजी लालचंदजी पनपलिया	सूरत- कवास
18-04-2020	श्रीमती मणिदेवी मनोहरलालजी राठी	बाड़मेर
20-04-2020	श्री जगदीशजी बेखटमलजी शारदा	अहमदाबाद
21-04-2020	श्री सारंगमल छुगालालजी चांडक	गढ़डा रोड
24-04-2020	श्री महादेवमल जसरुपदास मथरानी	हैदराबाद
24-04-2020	श्री अशोककुमार प्रभुलालजी केल्ला	अहमदाबाद
27-04-2020	श्री जयकृष्ण बेखटमलजी राठी	मिट्ठी
28-04-2020	श्री किशनलाल रांझोमलजी गीगल	नडियाद
04-05-2020	श्री सीतारामजी लछमणदासजी गीगल	धानेरा
06-05-2020	श्रीमती भगवतीदेवी अचलानंदजी राठी	बोरसद
06-05-2020	श्रीमती दीपिकाबेन जयरामदासजी केल्ला	पिपलाव
06-05-2020	श्रीमती चन्द्रावती लाजपतराय केल्ला	विजापुर
06-05-2020	श्रीमती लछमीदेवी झामनदासजी लधड	अहमदाबाद
07-05-2020	श्रीमती कौशल्यादेवी महेशकुमार कचोलिया	आसोदर चोकड़ी
09-05-2020	श्री रांझोमल अम्बारामजी कचोलिया	इस्लामाबाद
12-05-2020	श्री रामलाल अम्बारामजी मथरानी	बाड़मेर
18-05-2020	श्री शिशपालदास खेतारामजी चांडक	भीनमाल
21-05-2020	श्री मुरलीधरजी सजनमलजी कड़वा	चोहटन
22-05-2020	श्री मदनलाल बेखटमलजी लधड	कड़ी
25-05-2020	श्रीमती कमलादेवी पूनमचंदजी कड़वा	विजापुर
31-05-2020	श्रीमती लछमीदेवी रतनलालजी चांडक	पुन्धरा
06-06-2020	श्री हरीशकुमार जेठानंदजी कड़वा	विजापुर
06-06-2020	श्रीमती साविलीदेवी ताराचंदजी केल्ला	मानपुरा
12-06-2020	श्रीमती साविलीदेवी सतरामदासजी मथरानी	अहमदाबाद
13-06-2020	श्रीमती गोमतीदेवी किरपालदासजी कसुम्बिया	भीनमाल
13-06-2020	श्री हीरालाल पिताम्बरदासजी राठी	वड़ोदरा
16-06-2020	श्रीमती मीरादेवी पीताम्बरदासजी लधड़	सांचोर
18-06-2020	श्री चुनीलाल हरदासमलजी करवा	कड़ी
19-06-2020	श्रीमती लालीबेन गिरधारीलालजी पनपलिया	जैसलमेर
19-06-2020	श्री हितेशकुमार गोपालदासजी शारदा	बाड़मेर
19-06-2020	श्रीमती पाबीबेन पुरुषोत्तमदासजी हड्कुट	मोरबी
20-06-2020	श्री महादेव मानोमलजी केल्ला	अहमदाबाद
24-06-2020	श्रीमती कमलादेवी अर्जुनदासजी मोहता	गांधीधाम

स्वर्गवासी व्यक्तिओ की नामावली हमको लजपतजी राठी (मणिनगर) से प्राप्त हुई है, उनका खूब खूब आभार।

विवाह की बढ़ती उम्र पर खामोशी क्यों....?

यह आर्टिकल स्व. श्री अर्जुनलालजी द्वारा लिखा गया है।

क्या शिक्षा और आधुनिक फिल्मी कल्चर हमारे सामाजिक संबंधों को भी निगल जाएगा ! क्या विवाह की बातें बीते दिनों की यादें बन जाएगी ॥

विवाह की बढ़ती उम्र पर खामोशी क्यों....?

28-32 साल की युवक युवतियाँ बैठे हे कुंवारे, फिर मौन क्यों हैं समाज के कर्ता-धर्ता ? कुंवारे बैठे लड़के लड़कियों की एक गंभीर समस्या आज सामान्य रुप से सभी समाजों में उभर के सामने आ रही है। उसमें उम्र तो एक कारण है ही मगर समस्या अब इससे भी कही आगे बढ़ गई है। क्योंकि **30** से **35** साल तक की लड़कियाँ भी कुंवारी बैठी हुई है। इससे स्पष्ट है कि इस समस्या का उम्र ही एकमात्र कारण नही बचा है। ऐसे में लड़के लड़कियों के जवां होते सपनों पर न तो किसी समाज के कर्ता-धर्ताओं की नजर है और न ही किसी रिश्तेदार और सगे संबंधियों की। हमारी सोच कि हमें क्या मतलब है में उलझ कर रह गई है। बेशक यह सच किसी को कड़वा लग सकता है लेकिन हर समाज की हकीकत यही है।

25 वर्ष के बाद लड़कियां ससुराल के माहौल में ढल नहीं पाती हैं, क्योंकि उनकी आदते पक्की और मजबूत हो जाती है अब उन्हें मोड़ा या झुकाया नहीं जा सकता। जिस कारण घर में बहस, वाद विवाद, तलाक होते हैं। शादी के लिए लड़की की उम्र **18** साल व लड़के की उम्र **21** साल होनी चाहिए ये तो अब बस आंकड़ों में ही रह गया है। एक समय था जब संयुक्त परिवार के चलते सभी परिजन अपने ही किसी रिश्तेदार व परिचितों से शादी संबंध बालिक होते ही करा देते थे। मगर बढ़ते एकल परिवारों ने इस परेशानी को और गंभीर बना दिया है। अब तो स्थिति ऐसी हो गई है कि एकल परिवार प्रथा ने आपसी प्रेम व्यवहार ही खत्म सा कर दिया है।

उच्च शिक्षा और हाई जॉब भी बढ़ा रही उम्र यूं तो शिक्षा शुरू से ही मूल आवश्यकता रही है लेकिन पिछले डेढ़ दो दशक से इसका स्थान उच्च शिक्षा या कहें वि खाने कमाने वाली डिग्री ने ले लिया है। इसकी पूर्ति के लिए अमूमन लड़के की उम्र **23-24** या अधिक हो जाती है। उसके दो-तीन साल तक जॉब करते रहने या बिजनेस करते रहने पर उसके संबंध की बात आती है। जाहिर है इतना होते-होते लड़के की उम्र तकरीबन **30** के इर्द-गिर्द हो जाती है। इतने तक रिश्ता हो गया तो ठीक, नहीं तो लोगों की नजर तक बदल जाती है। यानि **50** सवाल खड़े हो जाते हैं।

कोई पहल तो करें, हो सकता है इस मुद्दे पर समाज में पहले कभी चर्चा हु हो लेकिन उसका ठोस समाधान अभी नजर नही आता। तो क्यों नहीं बीड़ा उठाएं कि एक मंच पर आकर ऐसे लड़कों व लड़कियों को लाएं जो बढ़ती उम्र में हैं औ समझाइश से उनका रिश्ता कहीं करवाने की पहल करें। यह प्रयास छोटे स्तर से ही शुरु हो। भारत के हर समाज के नेतृत्वकर्ताओं से अनुरोध है कि वे इस गंभीर समस्या पर चर्चा करें और एक ऐसा रास्ता तैयार करें जो युवाओं को भटकाव के रास्ते से रोककर विकास के मार्ग पर ले जा सकें। स्वार्थ न समझकर परोपकार समझ कर सहयोग करें।

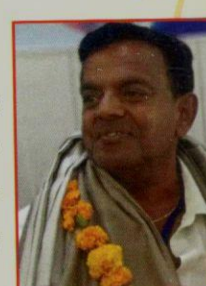

स्व. श्री अर्जुन जी सजनान

\- डीस

With Best Complements

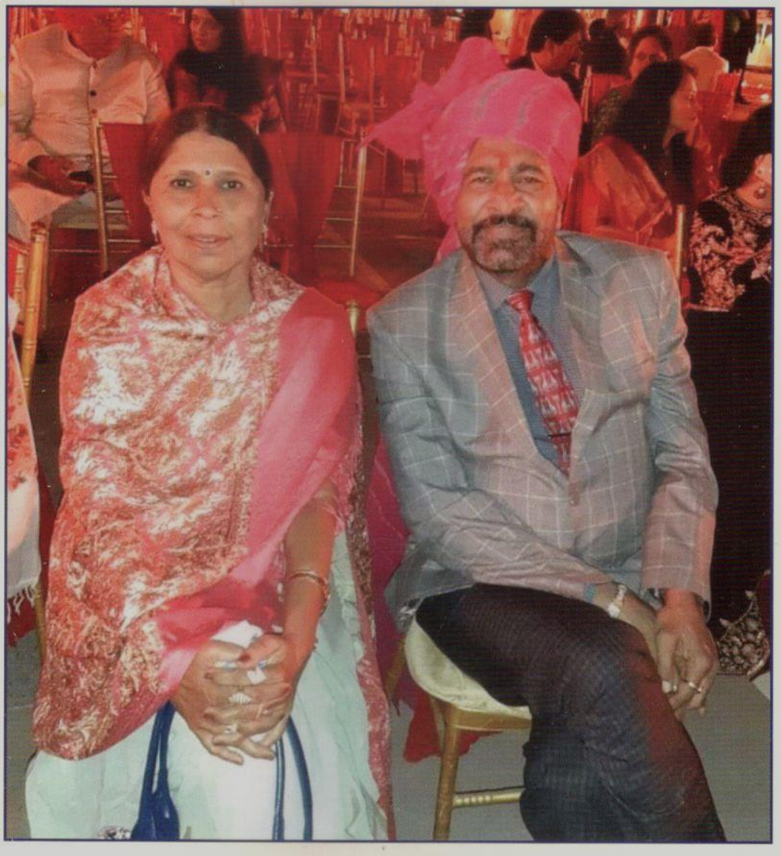

इस वर्ष ताराचन्दजी केला एवं धर्म पत्नि शान्ति देवी केला को शादी की 41वीं सालगिरह पर हार्दिक बधाई ।
तथा इस अवसर पर **AIFDMS** को **₹ 31,000** राशि का सहयोग (पत्रिका पृष्ठ विज्ञापन के लिए) दिया गया, इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हैं । आपका यह सहयोग पत्रिका को सुदृढ करने के लिए प्रेरित करेगा ।

DOM : 29-02-1979

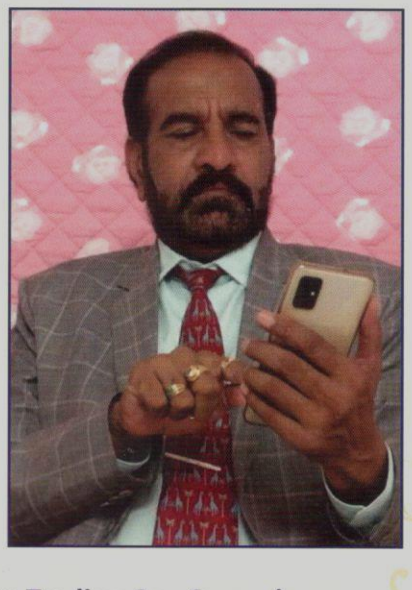

जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

इस वर्ष ताराचंद जी केला द्वारा अपने जन्मदिवस पर ₹ 21,000 राशि की भेंट AIFDMS को दी गई.

DOB : 07-07-1958

1. Maheshwari Pharmaceuticals, Wadhwan
2. Maheshwari Bulk Drugs, Wadhwan
3. Bhagyashree Party Plot, Wadhwan
4. Shri Hari Oil Industries, Wadhwan
5. Saurashtra Trading Co., Surendranagar
6. Shri Satyanarayan Trading Co., Surendranagar
7. K.K. & Sons, Surendranagar
8. Shanti Construction, Borsad
9. J.K.Casting, Sihor

Director
Tarachand Kela
+91 98252 23940

Director
Hitesh T. Kela
+91 98793 40040

AIFDMS (PROPOSED) BHAWAN

AMENITIES

Basement
- Hydrolic Parking

Ground Floor
- Front Side Showrooms
- Back Side Parking

First Floor
- Front Side Shops
- Back Side Office or Hall

Second Floor
- Audio Visual Room (Approx 30 Student)
- Reading Library (Approx 35 Student)
- Kitchen
- Dining (Approx 55 Student)
- Kitchen Store
- Care Taker Flat

Third to Fifth Floor
- Hostel - 12 Rooms (Approx 55 Student)
- Admin Offer
- Waiting
- Common Toilet

Sixth Floor
- Working Women / Girl's PG
- Admin Offer
- Waiting
- Common Toilet

Seventh Floor
- Medical Patients
- Admin Offer
- Waiting
- Common Toilet

अभी हमारे समाज में Mobile App का Relaunch हुआ है यह कार्य बहुत ही सिमित समय में पूर्ण हुआ है। उसका पूरा श्रेय श्री पियूष जी भट्ठर को तथा उनकी टीम को जाता है। जिन्होंने I.P. Maheshwari Ji के साथ मिलकर यह कार्य पूर्ण किया है।

यह एक सराहनीय कार्य है। जिसके लिए समाज आपका आभारी है। तथा यह App एक Multi Use App है।

साथ ही पियूष दिपक जी भट्ठर तथा उनके परिवार द्वारा कुल सौलह लाख की राशि का योगदान समाज को दिया गया। AIFDMS आपका तथा आपके परिवार का आभार व्यक्त करता है।

M B Enterprise

दाताओ द्वारा दिया गया समाज को सहयोग हमेशा समाज की आने वाली पीढ़ी को लाभवन्तित होता है। धन्यवाद